दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 260 | भोपाल, शनिवार 4 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :
9425023929

संक्षिप्त खबरें

जुबीन गर्ग मौत केस- सिंगापुर ने भारत को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सौंपी

गुवाहाटी/सिंगापुर। जुबीन गर्ग मौत मामले में सिंगापुर पुलिस ने भारतीय हाई कमीशन को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सौंपी है। 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान जुबीन की मौत हो गई थी। इधर, असम पुलिस ने सिंगर जुबीन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में गुरुवार को संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी और सिंगर अमृतप्रभा महंत को गिरफ्तार किया है। गोस्वामी और अमृतप्रभा, जुबीन की म्यूजिक टीम का हिस्सा थे। घटना के वक्त दोनों सिंगापुर में थे और मौके पर मौजूद थे। गोस्वामी और अमृतप्रभा को पूछताछ के लिए बुलाया गया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। मामले में अब तक 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

वांगचुक की पत्नी की सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

नई दिल्ली एजेंसी। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने अपने पति की रिहाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। गीतांजलि जे अंगमो ने वांगचुक को तुरंत रिहा करने की मांग करते हुए हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका लगाई है। डॉ. अंगमो ने 2 अक्टूबर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की। उन्होंने दावा किया कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है। अंगमो ने यह आरोप भी लगाया कि दिल्ली में हर जगह उनका पीछा किया जा रहा है। उनके एक कर्मचारी को भी हिरासत में रखा गया है। वांगचुक फिलहाल जोधपुर की जेल में हैं, उन्हें 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था।

आधार कार्ड अपडेट कराना हुआ महंगा

नई दिल्ली एजेंसी। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आधार अपडेट करने की फीस 25 रुपए तक बढ़ा दी हैं। नई फीस 1 अक्टूबर से लागू कर दी गई है, जो 30 सितंबर 2028 तक प्रभावी रहेंगी। इसके बाद फिर से समीक्षा होगी और 1 अक्टूबर 2028 से 30 सितंबर 2031 तक के लिए फीस में बदलाव होगा। नई दरों के अनुसार, नया आधार बनवाना सभी के लिए फ्री रहेगा, लेकिन नाम, पता और डॉक्यूमेंट्स बदलवाने जैसी सर्विसेज के लिए पहले 50 रुपए लगते थे, अब 75 रुपए लगेंगे। इसी तरह बायोमेट्रिक अपडेट जैसी सर्विस के लिए अब 125 रुपए लगेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 13 जिलों के किसानों को 653.34 करोड़ रुपये की राहत राशि सिंगल क्लिक से खातों में की अंतरित

बाढ़ प्रभावित 3.90 लाख किसानों को मिली 371 करोड़ की राहत राशि

- **मुख्यमंत्री 6 अक्टूबर को बड़वानी में नशामुक्ति सम्मेलन में होंगे शामिल**
- **मुख्यमंत्री 10 अक्टूबर को रतलाम में भावांतर योजना रैली में करेंगे सहभागिता**

भोपाल| नगर संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की सेवा ही भगवान की सेवा है। बाढ़ हो, आपदा हो, ओलावृष्टि हो या कीट प्रकोप हो, किसान भाई हर विपदा से लड़ते और जूझते हैं। किसान पर कोई भी विपदा या आपदा आए सरकार संकट की हर घड़ी में साथी बनकर किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से कहा कि आप अकेले नहीं हैं, पूरा परिवार बनकर हम आपके साथ हैं। आपकी खुशी में ही प्रदेश की खुशी है। उन्होंने कहा कि हर प्रकार की आपदा और कीट प्रकोप से फसलों को हुई क्षति की राहत राशि किसानों को दी जाएगी। ये राहत राशि किसानों को बड़ा संबल देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब तक आखिरी पीड़ित किसान को सहायता राशि नहीं मिल जाती, हमारी सरकार चैन से नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि किसानों के चेहरों की मुस्कान ही हमारी असली दीपावली जैसी है। किसानों की मेहनत और जज?बा फिर से उनके खेतों को जीवन और समृद्धि से भर देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में किसानों को प्राकृतिक आपदा और कीट प्रकोप से हुई फसल क्षति की राहत राशि वितरण कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में बीते माहों में हुई अतिवृष्टि-बाढ़ और सोयाबीन में पीला मोजेक रोग से हुए फसल नुकसान के लिए 13 प्रभावित जिलों के 8 लाख 84 हजार 772 किसानों को 653.34 करोड़ की राहत राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इसमें अतिवृष्टि/बाढ़ से हुई फसल क्षति से प्रभावित 3 लाख 90 हजार 167 किसानों को 331.34 करोड़ रूपये एवं पीला मोजेक/कीट व्याधि से हुई फसल क्षति से प्रभावित 4 लाख 94 हजार 605 किसानों को 322 करोड़ रुपये की राहत राशि शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 में अब तक विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को विभिन्न मदों में कुल 229 करोड़ 45 लाख रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। गत माह 6 सितंबर को ही फसल क्षति के लिए 11 जिलों के 17 हजार से अधिक किसानों को 20 करोड़ से अधिक की राहत राशि दी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार राज्य सरकार द्वारा सोयाबीन में पीले मोजेक रोग से फसल प्रभावित किसानों को राहत राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर जिले के केला उत्पादक अतिवृष्टि प्रभावित किसानों को 3.39 करोड़ रूपए मुआवजा राशि दी गई है। किसान श्री पांडुरंग बिट्ठल और विनोद पुंडलिक ने कहा कि यहां के केला उत्पादक किसानों को लगभग 2 लाख प्रति हेक्टेयर का मुआवजा दिया जा रहा है और इससे बड़ी राहत हो गई है। शहडोल जिले के सोयाबीन उत्पादक पीला मोजेक प्रभावित 8935 किसानों को 6.36 करोड़ रूपए मुआवजा राशि मिली है। किसान श्री राजेन्द्र द्विवेदी और श्री सुरेन्द्र सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। खंडवा जिले के सोयाबीन उत्पादक किसानों को अतिवृष्टि और पीला मोजेक की राहत के रूप में 55 लाख रूपए मिले हैं।

खोई मुस्कान लौटाना हमारी पहली प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी पीड़ित किसान भाईयों को राहत राशि देने और फसल सर्वे के कार्य में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है। किसानों के चेहरे की खोई मुस्कान लौटाना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 4 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से 6 लाख 69 हजार से अधिक धान उत्पादक किसानों के खाते में 337 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया है। सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भी भावान्तर योजना शुरू की गई है। फसल के विक्रय मूल्य और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अन्तर की राशि सरकार सीधे किसानों को देगी। हम किसानों का कोई नुकसान नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों भाईयों के दुख-दर्द में हम आपके सेवक बनकर खड़े हैं। किसानों के माथे का पसीना बेकार नहीं जाएगा, आपकी मेहनत फिर से हरियाली का रूप लेकर प्रदेश को समृद्ध करेगी, हम सदैव आपके साथ हैं। राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है और उनके सुख-दुख में सहभागी है। हम प्रदेश के किसी भी किसान को आपदा में अकेला नहीं छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने किया किसानों से संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहत राशि वितरण के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीड़ित किसानों से आत्मीय संवाद भी किया। संवाद के दौरान किसानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दशहरा एवं भव्य शस्त्र पूजन के आयोजनों एवं सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावांतर योजना लागू करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया। किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने दीपावली से पहले ही हमारी दीपावली मनवा दी। हमें यह महसूस हो रहा है कि सरकार हमारे साथ है। पीला मोजेक की राहत राशि हमें पहली बार मिली। यह सच्चे अर्थों में किसान हितैषी सरकार है। उत्साहित किसानों ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से राहत राशि मिलने से दशहरे पर ही किसानों की दीपावली हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर जिले के किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि केला आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जायेगा।

एक ही वक्त जली 11 चिताएं 8 साल की चंदा के शव के पास खेलती रहीं बहनें

खंडवा | नगर संवाददाता

खंडवा में दुर्गा विसर्जन के दौरान हुए हादसे में जान गंवाने वाले 11 लोगों का शुक्रवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। गुरुवार को जहां शोभायात्रा में सभी डीजे पर डांस कर रहे थे, आज वहीं परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक का माहौल है। जिस 8 साल की चंदा का शव सबसे आखिरी में पानी से निकाला गया था, उसकी दो छोटी बहनें हैं। दोनों बहनें चंदा के शव के आसपास खेलती रहीं।

वे इस बात से अनजान हैं कि उनकी बड़ी बहन चंदा की मौत हो चुकी है। बता दें, खंडवा में गुरुवार को दुर्गा विसर्जन के दौरान डैम के बैकवाटर में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट जाने से 11 लोगों की जान चली गई थी। ट्रॉली में दुर्गा प्रतिमा के साथ करीब 30 लोग सवार थे। जान गंवाने वालों में 8 साल की बच्ची से लेकर 25 साल तक की महिला शामिल है। पंधाना सिविल अस्पताल से शवों को एक-एक कर एम्बुलेंस से गांव लाया गया। संवेदनशील हालात को देखते हुए प्रशासन ने पाडला फाटा में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर और डीएसपी हेडक्वार्टर अनिल सिंह चौहान मौके पर मौजूद रहे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी भी गांव पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की।

आज भी स्ट्रॉन्ग सिस्टम रहेगा

एमपी के 17 जिलों में गिरा पानी सीधी में 2 इंच से ज्यादा बारिश

भोपाल| नगर संवाददाता

मध्यप्रदेश में शुक्रवार को बारिश का दौर जारी रहा। सीधी में 9 घंटे में 2 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। मऊगंज में पिछले 10 घंटे से पानी गिर रहा है। प्रदेश के 17 जिलों में भारी या अति भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा भोपाल, सीहोर, शाजापुर, राजगढ़, देवास, बैतूल, रतलाम, नरसिंहपुर, सागर, सतना, उमरिया, जबलपुर, बालाघाट, टीकमगढ़, रीवा, सिंगरौली समेत कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा। सागर में डेढ़ इंच और सतना में एक इंच बारिश हो गई। मौसम विभाग ने 4 जिले- रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में अगले 24 घंटे के दौरान 8 इंच तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी 4 अक्टूबर को भी बनी रहेगी। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया, देश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्से में डिप्रेशन और डीप डिप्रेशन एक्टिव है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। इनमें से एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एमपी के पूर्वी हिस्से के ऊपर एक्टिव है। जिसका असर शुक्रवार से देखने को मिलेगा। अगले 48 घंटे तक भारी बारिश का अलर्ट है।

छतरपुर में शिवहरे परिवार के घर ईडी का छापा, बैंक रिकॉर्ड भी खंगाले

छतरपुर | नगर संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गुरुवार को छतरपुर शहर के बगौता इलाके में शिवहरे परिवार के घर छापा मारा। यह कार्रवाई जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े एक मामले की जांच के तहत की गई। भोपाल से आई ईडी की पांच सदस्यीय टीम सुबह चार पुलिसकर्मियों के साथ स्वर्गीय देवीदीन शिवहरे के निवास पर पहुंची और जांच शुरू की। यह घर सागर-कानपुर रोड पर बगौता तिराहे के पास स्थित है।

छापेमारी के दौरान ईडी टीम के साथ आईसीआईसीआई बैंक के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने संबंधित बैंक खातों और लेन-देन से जुड़ी जानकारी जांच एजेंसी को उपलब्ध कराई। जांच जिन लोगों को केंद्र में रखकर की जा रही है, उनमें अनंतराम शिवहरे और मुकेश शिवहरे शामिल हैं। अनंतराम पहले नल फिटिंग के ठेकेदार रहे हैं, जबकि मुकेश शिवहरे पन्ना में सब इंजीनियर के पद पर कार्यरत रह चुके हैं। उनकी पत्नी डॉ. सोनल शिवहरे वर्तमान में ईसानगर में पदस्थ हैं।

पीओके भारत का अभिन्न अंग

पाकिस्तान की बर्बरता पर बिफरा भारत

नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भड़की हिंसा और वहां की जनता पर की गई दमनकारी कार्रवाई को लेकर भारत ने पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि पीओके में जारी अशांति इस्लामाबाद की दशकों पुरानी शोषणकारी नीतियों और संसाधनों की लूट का नतीजा है। विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा, कि पीओके का इलाका भारत का अभिन्न हिस्सा है और पाकिस्तान को वहां हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, कि हमने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हो रहे प्रदर्शनों और निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तानी बलों की बर्बरता की खबरें देखी हैं। यह पाकिस्तान के अवैध कब्जे और दमनकारी नीतियों का परिणाम है। पाकिस्तान को वहां के हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

बाइक सवार 5 लोगों को रौंदते निकला ट्रक, 17 सेकंड में खत्म हो गया परिवार

भिंड| नगर संवाददाता

भिंड में बीते मंगलवार को ट्रक ने दो बाइक को टक्कर मार दी। दंपती, उनके दो बच्चे और एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दो दिन बाद इसका वीडियो सामने आया। जिसमें दिख रहा है कि आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करते हुए तेज रफ्तार दूसरे मिनी ट्रक ने पहले दंपती की बाइक को रौंदा, उसके बाद एक अन्य बाइक चालक को कुचल दिया।

एक्सीडेंट मंगलवार सुबह करीब 11 बजे फूप इलाके में ग्वालियर-इटावा नेशनल हाईवे-719 पर टेढ़ा की पुलिया के पास हुआ था। हादसे में माता-पिता और भाई-बहन को खोने वाले अर्पित ने कहा, मैं बाइक पर आगे बैठना चाहता था, लेकिन पिताजी ने मना कर दिया। इस पर रूठ गया और वे मुझे घर पर ही छोड़कर चले गए। मैं बहुत ही अभागा हूं। हादसे के बाद हालात जानने भास्कर टीम भिंड के पावई क्षेत्र के सोरा गांव पहुंची। यहां माता-पिता और भाई-बहन की एकसाथ अर्थियां उठीं तो घर का एकमात्र जीवित बचा सदस्य अर्पित बिलख उठा। 17 सेकंड के वीडियो में दिख रहा है कि एक साइड से चल रही बाइक ने पहले एक ट्रक को पार किया। इसके बाद जैसे ही वह आगे बढ़ी तो दूसरा ट्रक पहले ट्रक को ओवरटेक करता हुआ सामने आ गया।

करूर भगदड़ के बाद चले गए, माफी तक नहीं मांगी

हाईकोर्ट बोला- विजय की पार्टी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती

एजेंसी | मदुरै

मद्रास हाईकोर्ट ने करूर भगदड़ की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है। इसकी अगुआई तमिलनाडु पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल असरा गर्ग करेंगे। जस्टिस एन सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि घटना के बाद विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कजगम ने घटनास्थल छोड़ दिया और कोई माफी या पछतावा तक नहीं दिखाया।

इस घटना को पूरी दुनिया ने देखा है, पार्टी अपनी आंखें बंद करके जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती है। इसके साथ हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने CBI जांच की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। वहीं, अतिरिक्त मुआवजा राशि की मांग वाली याचिका पर स्टालिन सरकार को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

कोर्ट बोला- पीड़ित आएगा तो जरूर मदद करेंगे

TVK नमक्कल जिला सचिव की अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका पर कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता कोई पीड़ित नहीं, बल्कि एक पार्टी का नेता है। किसी एक व्यक्ति ने गलती की है, इसका मतलब यह नहीं कि पूरी जांच ही खत्म हो जाएगी। कोर्ट ने कहा- उन लोगों के बारे में सोचें जिन्होंने अपनी जान गंवाई। अगर कोई पीड़ित हमारे पास आता है तो हम उसकी मदद के लिए आएंगे।

पूर्णिया में वंदे भारत एक्सप्रेस से कटकर तीन लोगों की मौत

पूर्णिया एजेंसी। जिले में शुक्रवार को बड़ा दर्दनाक होदसा हो गया। यहां सुबह-सुबह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें पूर्णिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर कसबा जबनपुर के पास हुआ। बताया जा रहा है कि जोगबनी (अररिया) से दानापुर (पटना) जा रही वंदे भारत ट्रेन से कटकर मरने वाले सभी लोग दशहरा मेला देखकर लौट रहे थे। बता दें कि जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस से कटकर मौतों की यह दूसरी घटना है। इससे पहले सहरसा में हटियागाछी रेलवे ढाला के पास 30 सितंबर को इसी ट्रेन से कटकर एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

खास खबर | मैं पीएम मोदी को जानता हूं, भारतीय अपमान बर्दाश्त नहीं करते

पुतिन बोले- अमेरिका के दबाव के आगे भारत नहीं झुकेगा

एजेंसी | सोची

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेल खरीद के मुद्दे पर अमेरिकी दबाव की आलोचना की और कहा कि भारत झुकने वाला नहीं है। उन्होंने सोची शहर में गुरुवार को आयोजित वाल्दाई पॉलिसी फोरम को संबोधित करते हुए यह कहा कि पीएम मोदी कभी भी ऐसा फैसला नहीं करेंगे, जो भारत की संप्रभुता के खिलाफ हो।

पुतिन ने कहा कि अगर रूस के ट्रेड पार्टनर्स पर ऊंचे टैरिफ लगाए गए, तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा कीमतों पर पड़ेगा। कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को मजबूरी में ब्याज दरें ऊंची रखनी होंगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी पड़ जाएगी। पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो उसे 9 से 10 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ेगा।

यूरोपीय देशों से कहा- रूस का डर भूलकर चैन से सोएं

पुतिन ने कहा कि यूरोपीय संघ के नेता अपने देश की समस्याएं ठीक करने के बजाय लोगों में दहशत फैला रहे हैं और युद्ध का डर दिखा रहे हैं। वे बार-बार अपने लोगों से कहते रहते हैं कि रूस NATO देशों पर हमला करने वाला है। मैं उनसे यही कहूंगा कि उन्हें इस बात को भूलकर चैन से सोना चाहिए। पुतिन ने कहा कि जो नेता ऐसी बातें फैलाते हैं, वे या तो बेहद नाकाबिल हैं या फिर चालाकी से अपने नागरिकों को धोखा दे रहे हैं, ताकि असली मुद्दों को जनता भूल जाए।

पुतिन ने कहा कि भारत जैसे देश में लोग अपने नेताओं के फैसलों पर नजर रखते हैं और वे कभी नहीं चाहेंगे कि उनका देश किसी के सामने झुके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूसी तेल के बिना दुनिया की भी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा और यदि इसकी आपूर्ति बंद हो जाती है तो तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर से भी ऊपर बढ़ सकती हैं। पुतिन ने मोदी का दोस्त बताते हुए कहा कि वह उनके साथ भरोसे के साथ बातचीत कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने दिसंबर की शुरुआत में होने वाली अपनी भारत यात्रा को लेकर खुशी जताई। उन्होंने अपनी सरकार को यह भी निर्देश दिया कि भारत के बड़े पैमाने पर कच्चे तेल खरीदने की वजह से जो व्यापार असंतुलन बना है, उसे दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। पुतिन ने कहा कि भारत चाहे तो व्यापार असंतुलन को ठीक करने के लिए रूस से और ज्यादा कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। अपने भाषण में पुतिन ने अमेरिका पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों पर रूसी ऊर्जा न खरीदने का दबाव डालता है, जबकि खुद यूरेनियम के लिए रूस पर निर्भर है।

संपादकीय

कश्मीर पर तुर्किये की कोशिश नाकाम

भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी मुद्दे पर बातचीत हमेशा द्विपक्षीय स्तर पर ही होती रही है। कश्मीर का मसला भी इनमें से एक है। हालांकि, कई मौकों पर खुद पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश की है, लेकिन भारत तीसरे पक्ष की भूमिका को सिरे से खारिज करता रहा है। अब अमेरिका ने भी साफ कर दिया है कि कश्मीर भारत-पाकिस्तान का आपसी मसला है और इसमें किसी तरह का दखल देने में उसकी कोई रुचि नहीं है।अमेरिका का यह संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक के बीच संघर्ष विराम कराने में उनकी अहम भूमिका रही है। जबकि भारत इन दावों को पूरी तरह नकारता रहा है। ऐसे में अब अमेरिका ने भारत के उस रुख की पुष्टि कर दी है कि पाकिस्तान से जुड़े मसलों में किसी तीसरे पक्ष का दखल कतई स्वीकार्य नहीं है।दरअसल, 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच शिमला में एक अहम समझौता हुआ था। इसके तहत आम सहमति बनी थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर सहित जितने भी मसले हैं, उनका समाधान आपसी बातचीत से ही किया जाएगा। यानी द्विपक्षीय मुद्दों को न तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया जाएगा और न ही इनमें किसी तीसरे पक्ष को शामिल किया जाएगा। मगर इस समझौते का पाकिस्तान ने कई बार उल्लंघन कर कश्मीर मसले को संयुक्त राष्ट्र में भी उठाया है। जबकि भारत इस समझौते के अनुरूप अपने रुख पर हमेशा कायम रहा है और इसी का नतीजा है कि अब अमेरिका ने भी स्वीकार किया है कि कश्मीर मसला सीधे तौर पर द्विपक्षीय मुद्दा है।गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि यह उनके देश की दीर्घकालिक नीति है कि कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान ही आपसी बातचीत और सहमति से कोई हल निकाल सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि दोनों देशों की ओर से अमेरिका से किसी मुद्दे पर सहयोग मांगा जाता है तो वह मदद के लिए तैयार है। हालांकि, भविष्य में ऐसी नौबत आने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है।अमेरिका का यह बयान ऐसे मौके पर आया है, जब पाकिस्तान के मित्र देश तुर्किये के राष्ट्रपति ने पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मसला उठाया था। उनका कहना था कि कश्मीर मुद्दे का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के आधार पर संवाद के जरिए होना चाहिए। भारत ने इसका कड़ा विरोध करते हुए अपना रुख स्पष्ट किया और कहा कि यह सिर्फ द्विपक्षीय मुद्दा है और इसका अंतरराष्ट्रीयकरण नहीं किया जा सकता।

संघ शताब्दी वर्ष

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ: राष्ट्र निर्माण के नए क्षितिज की यात्रा

डॉ. मोहन यादव
लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।

व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण का ध्येय लेकर चले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने आज अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संसार के सबसे विशाल और अनूठे संगठन की यह यात्रा त्याग, तपस्या, निःस्वार्थ सेवा और अनुशासन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की यह यात्राकई चुनौतियों और विषम परिस्थितियों में सेवा, समर्पण और संकल्प के ध्येय पथ पर आगे बढ़ी है। यह आद्य सरसंघचालक परमपूज्य डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का संकल्प और प्रत्येक स्वयंसेवक का समर्पण है कि आज पूरे विश्व में संघ का ध्वज लहरा रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना देश की असाधारण परिस्थितियों में हुई। भारत और भारत के स्वत्व के लिये जितना संकट अंग्रेजी राज से था उससे कहीं अधिक भारत विरोधी वे शक्तियां सक्रिय थीं जो भारत के पूर्ण रूपांतरण का कुचक्र रच रहीं थीं। इसे मालाबार, चटगांव, करांची और ढ़ाका की हिंसा से समझा जा सकता है। हिन्दुओं के सामूहिक नरसंहार, स्त्रियों के अपहरण पर भी देश में चुप्पी रही। एक ओर समाज, संस्कृति और राष्ट्र के दमन का कुचक्र चल रहा था दूसरी ओर भारतीय समाज अनेक आंतरिक विसंगतियों में उलझ गया था। जहां समाज विखंडन और अस्पृश्यता जैसा लोक व्यवहार प्रभावी था वहीं भारतीय समाज में आत्मगौरव कहीं खो रहा था। दासत्व की जंजीरों को ही अपनी नियति समझ लेने वाला विचार भी प्रभावी होने लगा था।

बालपन से ही राष्ट्र और सांस्कृतिक गौरव के प्रति समर्पित विशिष्ट प्रतिभा के धनी डॉक्टर हेडगेवार जी के मन को यह सभी घटनाएं उद्वेलित कर रही थीं। डॉ. हेडगेवार जी स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी थे। वे असहयोग आंदोलन में जेल यात्रा भी गये थे। भारत को दासत्व से मुक्ति संघर्ष में सहभागिता के साथ उन्होंने भारत में सांस्कृतिक और राष्ट्रभाव जागरण अभियान चलाने का भी संकल्प लिया। उन्होंने अनुभव किया कि जब तक प्रत्येक भारतीय के हृदय में स्वत्व का भाव जागृत नहीं होगा तब तक भारत पुनः अपने गौरव को प्राप्त नहीं कर सकता। डॉक्टर जी ने तत्कालीन सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पित विभूतियों से चर्चा की और संघ की स्थापना केलिये विजयादशमी की तिथि का चयन किया।

वर्ष 1925 में विजयादशमी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अस्तित्व में आया। इस तिथि के निर्धारण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का ध्येय स्पष्ट है। विजयादशमी की तिथि और यह उत्सव स्वार्थरहित संघर्ष, सत्य की स्थापना, धर्म की रक्षा और मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का संदेश देती है। यही संदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पूरी शताब्दी यात्रा में निहित है।

संघ की इस शताब्दी यात्रा की दो बड़ी विशेषताएं रहीं। एक तो संघ की ध्येय निष्ठा, संसार में केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक मात्र ऐसा संगठन है जो अपने ध्येय पर अडिग है और निरंतर विस्तार पा रहा है। दूसरी विशेषता संघ पर होने वाले आक्रमणों की है। संघ पर वैचारिक, राजनैतिक हमलों के साथ स्वयंसेवकों पर प्राण घातक हमले हुए। लेकिन संघ की ध्येय यात्रा पर कोई बाधा नहीं डाल पाया। स्वतंत्रता के बाद तीन बार तो संघ पर प्रतिबंध लगे। गांधी जी की हत्या में झूठा फंसाकर स्वयं सेवकों को प्रताड़ित किया गया।आपातकाल में प्रतिबंध और प्रताड़ना भी संघ के स्वयंसेवकों ने झेली। वर्ष 1992 में अयोध्या घटना के बाद भी संघ पर प्रतिबंध लगा। कश्मीर, केरल, पश्चिम बंगाल आदि प्रांतों में आज भी संघ प्रचारकों पर हमले हो रहे हैं। लेकिन संघ कभी रुका नहीं, थका नहीं और न कोई स्वयंसेवक विचलित हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा में मध्यप्रदेश की गौरव नगरी उज्जैन का भी अपना योगदान है। मध्यप्रदेश में संघ कार्य का विस्तार दो दिशाओं से हुआ। एक नागपुर से महाकौशल की ओर तथा दूसरा नागपुर से मालवा की ओर। मालवा क्षेत्र की गौरव नगरी उज्जैन वह स्थान है जहां संघ कार्य 1930 से 1940 के दशक में ही अंकुरित हो गया था। भोपाल से लेकर नीमच तक और इंदौर से लेकर मध्यभारत तक के विस्तार में उज्जैन की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इसे वर्ष 1936 में डॉक्टर हेडगेवार जी के आह्वान पर हैदराबाद आंदोलन में उज्जैन के स्वयंसेवकों की सहभागिता और बाद में जूनागढ़, दादरा नगर हवेली और गोवा मुक्ति आंदोलन में उज्जैन के स्वयंसेवकों का बलिदान भी हुआ। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि संघ के स्वयं सेवकों ने स्वाधीनता आंदोलन, विभाजन की पीड़ा में शराणार्थियों की सेवा, आंतरिक अशांति और प्रत्येक युद्ध में राष्ट्र रक्षा के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य किया है।

कई बार मैं सोचकर गर्व अनुभव करता हूं कि मैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से एक ऐसी संकल्प यात्रा का सहभागी बना जो भारत राष्ट्र के परम वैभव का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इस शताब्दी यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रचारकों के रूप में असंख्य विभूतियां आगे आईं, लेकिन किसी ने भी न अपने नाम की चिंता की न अस्तित्व और न ही जीवन की। वे सब राष्ट्र निर्माण कार्य की नींव में समा गये। संघ ने अपनी इस शताब्दी वर्ष यात्रा में समाज और राष्ट्रजीवन के आयाम को स्पर्श किया है। इस कार्य में शाखा से लेकर द्वार तक और फिर खेत पर जाकर भी संपर्क किया है। इसीलिए संघ कार्य आज इतना व्यापक हो पाया है। संघ कार्य केवल संगठनात्मक विस्तार नहीं है, यह साधना है- व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण की। इसीलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी शताब्दी समारोह को उत्सव के रूप में नहीं मना रहा। यह आयोजन राष्ट्र के परम वैभव और विश्व में भारत की सांस्कृतिक पुनर्प्रतिष्ठा के लिएसंकल्प दिवस के रूप में है।

भारतीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन को गति देने और समाज में अनुशासन तथा देशभक्ति के भाव को बढ़ाने के उद्देश्य से माननीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने समाज में पंच परिवर्तन का आह्वान किया है। इस पंच परिवर्तन में पांच आयाम स्व का बोध अर्थात स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण, सामाजिक समरसता और कुटुम्ब प्रबोधन शामिल हैं। इसमें स्व के बोध से नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होंगे। नागरिक कर्तव्य बोध अर्थात कानून के पालन से राष्ट्र समृद्ध व उन्नत होगा। सामाजिक समरसता व स?द्भाव से ऊंच-नीच जाति भेद समाप्त होंगे। पर्यावरण से सृष्टि का संरक्षण होगा तथा कुटुम्ब प्रबोधन से परिवार समृद्ध होंगे और बच्चों में संस्कार बढ़ेंगे। पंच परिवर्तन को समाज में लागू करने के लिए हम सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर प्रयास करने होंगे।

इसी संदेश की झलक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन में है। मोदी जी ने संघ की शताब्दी यात्रा पर विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी किए हैं। 100 रुपये के सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय चिह्न है और दूसरी ओर सिंह के साथ वरद् मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि और समर्पण भाव से उसे नमन करते स्वयंसेवक दिखाई देते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष से बिना थके, बिना रुके, राष्ट्र सेवा के कार्य में लगा हुआ है। यह समर्पित यात्रा हमें राष्ट्र कार्य के लिए प्रेरित करती है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत ने अमृतकाल के युग में प्रवेश कर लिया है। माननीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने समाज निर्माण के जो सूत्र दिये हैं इससे प्रेरित होकर निर्माण के विविध आयाम विकसित होने की संभावना है। इसे आत्मसात कर हम अपने प्रदेश और अपने राष्ट्र को विश्व पटल पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

आज विजयादशमी की शुभकामनाओं के साथ मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राष्ट्र चेतना से राष्ट्रनिर्माण में सहभागी बनने की अपेक्षा करता हूँ।

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार

विदेशी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ से बॉलीवुड होगा प्रभावित

(नीरज कुमार दुबे)

ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से वीएफएक्स और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज़ में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100 प्रतिशत टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।

देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा?

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है।

हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से वीएफएक्स और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोज़गार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे 'अमेरिका की कमजोरी' के रूप में देखते हैं।

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फ़िल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100त्न टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फिल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं।

इसके अलावा, ओटीटी और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नी+ हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा।

दशहरा विशेष

प्रभु श्रीराम की लीडरशिप से सीखें आधुनिक युग का प्रबंधन

विजयदशमी पर संकल्प ङ्क भीतर के रावण का दहन ही है प्रभु राम की सच्ची आराधना

संकल्प, टीमवर्क और आत्मबल से जीतें जीवन का धर्मयुद्ध

रामकथा केवल भक्ति और आस्था का प्रसंग नहीं, बल्कि जीवन-प्रबंधन, अनुशासन और नेतृत्व का अनुपम शास्त्र है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब अयोध्या से वनवास के लिए प्रस्थान करते हैं, तब उनके पास न राजवैभव है, न रथ, न सेना, न कोई राजसी ठाठ-सिर्फ़ माता-पिता के वचनों की मर्यादा। वे नंगे पाँव, साधारण वस्त्रों में, घनघोर वनों की कठिनाइयों को स्वीकार कर निकल पड़ते हैं। यही त्याग उन्हें ÷पुरुषोत्तम÷ की सर्वोच्च उपाधि से विभूषित करता है।

श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, दण्डकारण्य, पंचवटी से लेकर किष्किन्धा और समुद्र तट तक प्रभु राम कभी नगरों के राजाओं से सहयोग नहीं माँगते। यहाँ तक कि सुग्रीव को अपना वचन याद दिलाने हेतु भी वे स्वयं नगर नहीं जाते, बल्कि लक्ष्मण को भेजते हैं। यह घटना उनकी मर्यादा, अनुशासन और वचनबद्धता की गहराई को उद्घाटित करती है।

प्रभु राम का दिव्य दृष्टिकोण ङ्क संसाधनों से परे

राम जानते थे कि धर्मयुद्ध केवल बाह्य शक्ति या संसाधनों से नहीं जीता जाता। धर्मयुद्ध आत्मबल, साहस और संगठन की अजेय शक्ति से ही संभव है। वे चाहें तो

मिथिलापति जनक या भ्राता भरत से सहायता प्राप्त कर सकते थे, किन्तु उन्होंने ऐसा न कर, वानरों और भालुओं जैसे वनवासी जनों को संगठित किया।

वनवासियों में विश्वास जगाकर, उन्हें प्रशिक्षण देकर उन्होंने ऐसी विराट सेना का निर्माण किया जिसने रावण जैसी समृद्ध और तकनीक-सम्पन्न असुर-संस्कृति को भी परास्त कर दिया। यह केवल युद्ध की कथा नहीं, बल्कि नेतृत्व और प्रबंधन की अनुपम गाथा है। यही दिव्य दृष्टिकोण हमें आज भी सिखाता है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और संकल्प दृढ़ हो तो साधनों की न्यूनता भी सफलता के मार्ग में बाधक नहीं बन सकती।

कोर टीम का अनुशासित संगठन

रामकथा हमें आधुनिक ÷कोर टीम÷ की संरचना और उसकी प्रबंधन कला का सजीव उदाहरण देती है।

हनुमान ङ्क शक्ति, बुद्धि और भक्ति का अद्भुत संगम। उनका योगदान ङ्क सीता की खोज, लंका-दहन और युद्ध में वीरता ङ्क अतुलनीय है।

सुग्रीव ङ्क संगठन और सहयोग के प्रतीक, जिनकी निष्ठा ने वानर सेना को दिशा दी।

जाम्बवन्त ङ्क नीति और प्रेरणा के स्रोत, वृद्ध होने पर भी युद्धनीति में अप्रतिम।

अंगद ङ्क बालीपुत्र, पराक्रमी और साहस के अवतार।

नल-नील ङ्क अभियंता वानर, जिनके कौशल ने रामसेतु जैसे अद्भुत निर्माण को संभव किया।

सुशेण ङ्क वैद्य, जिन्होंने लक्ष्मणजी को जीवनदान देने हेतु संजीवनी का प्रबंध किया।

तारा ङ्क जिनकी बुद्धिमत्ता ने सुग्रीव को विजयमार्ग पर अग्रसर रखा।

विभीषण ङ्क जिन्होंने भ्रातृ-संबंध से ऊपर उठकर सत्य और धर्म का साथ चुना और प्रभु राम को रणनीति प्रदान की।

यह केवल एक सेना नहीं थी, बल्कि विविधता, सामूहिकता और सहयोग का अनुपम प्रतीक थी। प्रभु राम ने प्रत्येक पात्र की क्षमता पहचानी और उसे उसके योग्य दायित्व सौंपकर सफलता का मार्ग प्रशस्त किया। यही सच्चा नेतृत्व है, यही प्रबंधन का मूलमंत्र है।

विजयदशमी केवल रावण-वध की ऐतिहासिक स्मृति भर नहीं है। रावण कोई एक व्यक्ति मात्र नहीं, बल्कि वह अहंकार, वासना, अन्याय और अनैतिकता का प्रतीक है।

आज भी रावण हमारे चारों ओर अनेक रूपों में विद्यमान है ङ्क

अत्याचार और हिंसा,
नारी-असुरक्षा और शोषण,
व्यसन और नशे की लत,
आत्महत्या और अवसाद,
परिवार और रिश्तों का विघटन,
गुरु और मित्रों की उपेक्षा,
लालच, भ्रष्टाचार और अहंकार।

दशहरे का वास्तविक संदेश यही है कि हम केवल बाहरी पुतले न जलाएँ, बल्कि अपने भीतर पल रहे अहंकार, क्रोध, लोभ, आलस्य और असंवेदनशीलता जैसे ÷आंतरिक रावण÷ का दहन करें।

डिजिटल युग की नई पीढ़ी को प्रभु राम से तीन अनमोल जीवन-मंत्र अपनाने चाहिए ङ्क

संकल्प की स्पष्टता ङ्क लक्ष्य चाहे कितना ही कठिन क्यों न हो, यदि दिशा और दृष्टि स्पष्ट हो तो विजय सुनिश्चित है।

टीमवर्क और सहयोग ङ्क अकेले कोई भी बड़ा कार्य असंभव है। सामूहिक प्रयास ही विजय का मार्ग है।

अनुशासन और वचनबद्धता ङ्क संसाधनों की कमी बाधा नहीं, बल्कि संकल्पहीनता ही सबसे बड़ी रुकावट है।

दशहरा हमें स्मरण कराता है कि नारी का सम्मान, गुरुजनों का आदर, मित्रों की सहायता और निर्धनों के प्रति स्नेह ही वह आधारशिला है, जिस पर रामराज्य का निर्माण संभव है।

इस विजयदशमी पर आइए, हम केवल पुतले न जलाएँ, बल्कि अपने भीतर और समाज में पल रहे हर प्रकार के रावण ङ्क अहंकार, हिंसा, भ्रष्टाचार, व्यसन और असंवेदनशीलता ङ्क का दहन करें। यही प्रभु राम की सच्ची आराधना और दशहरे का वास्तविक संदेश है।

?? जय श्रीराम! ??

डॉ.नवीन आनंद जोशी
श्र 100/22 शिवाजी नगर भोपाल
मॉब 9425018708

सार समाचार

स्मार्ट मीटर के विरोध में 6 को भोपाल में प्रदर्शन

भोपाल। स्मार्ट मीटर के विरोध में 6 अक्टूबर को भोपाल में बड़ा प्रदर्शन होगा। मध्यप्रदेश बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन (एमईसीए) के बैनरतले प्रदेशभर से उपभोक्ता डॉ. अंबेडकर पार्क में जुटेंगे। वे 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, बिजली के रेट कम करने जैसी 11 मांग भी सरकार से करेंगे। इसे लेकर शुक्रवार को संगठन की बैठक हुई और रणनीति तैयार की गई। एसोसिएशन की प्रदेश संयोजक रचना अग्रवाल और लोकेश शर्मा ने बताया, मध्यप्रदेश सहित देशभर में बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली के प्री-पेड स्मार्ट मीटर का विरोध किया जा रहा है। ये विरोध कोई औपचारिकता या कोई निहित स्वार्थ पर आधारित राजनीतिक विरोध नहीं है, बल्कि हमारी दैनिक आय और जीवन मरण के प्रश्न से जुड़ा है। हाल ही में इसके दुष्परिणाम भी सामने आए हैं। बैठक में मुदित भटनागर, सतीश ओझा, आरती शर्मा आदि पदाधिकारी भी मौजूद थे। प्रदेश में स्मार्ट मीटर की स्थिति ठीक नहीं स्मार्ट मीटर से अत्यधिक बढ़े हुए बिजली बिलों की समस्या मध्यप्रदेश के सभी जिलों में है। भोपाल में ही उपभोक्ताओं ने बताया कि उनका बिल हर महीने भरने के बावजूद एक उपभोक्ता का 10 हजार, दूसरे का 20 हजार, तीसरे का 29 हजार रुपए आया है। ग्वालियर में उपभोक्ता जिसका एक कमरे का घर है, के बिल 5 हजार रुपए तक आ रहे हैं। ग्वालियर के 3 उपभोक्ताओं ने बताया कि महीने में दो बार बिल आ गया है। दोनों 6-6 हजार का है। गुना, सीहोर, विदिशा, सतना, इंदौर, देवास, दमोह, जबलपुर आदि जिलों में भी आम उपभोक्ता जिसके बिजली बिल 700-800 आते थे, वे हजारों में आ रहे हैं। गुना में एक किसान को 2 लाख से ज्यादा का बिजली बिल दिया गया। जहां-जहां स्मार्ट मीटर लगे हैं, उन सभी जिलों में उपभोक्ता बिजली बिलों से पीड़ित है। लोग अपने गहने और बर्तन बेचकर बिल भर रहे हैं।

नर्मदा नदी का बैकवाटर उच्च स्तर पर पहुंचा

भोपाल। प्रदेश की जीवनदायिनी नर्मदा नदी का बैकवाटर उच्च स्तर पर पहुंच गया है। गुजरात स्थित सरदार सरोवर बांध, इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बांध अपनी पूर्ण क्षमता के करीब भर गए हैं। शुक्रवार दोपहर 12 बजे सरदार सरोवर बांध 138.68 मीटर के पूर्ण स्तर तक भर गया। बांध के एक गेट से 5000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि बिजली उत्पादन सहित कुल 51030 क्यूसेक पानी समुद्र में प्रवाहित किया जा रहा है। नर्मदा के ऊपरी क्षेत्र में बने इंदिरा सागर बांध अपनी पूर्ण क्षमता 262.13 मीटर के मुकाबले 262.12 मीटर तक भर गया है। इसी तरह, ओंकारेश्वर बांध भी अपनी पूर्ण क्षमता 196.60 मीटर के मुकाबले 196.51 मीटर तक भर गया है। फिलहाल इन दोनों बांधों के गेट बंद रखे गए हैं।
राजघाट के पास बने नवीन घाट पर पूजन-दर्शन कर रहे श्रद्धालु एनवीडीए के बुलेटिन के अनुसार, बड़वानी शहर के समीप राजघाट में शुक्रवार को नर्मदा का बैकवाटर स्तर 138.40 मीटर दर्ज किया गया। यहां बैकवाटर का उच्च स्तर 138.68 मीटर है। बैकवाटर बढ़? से राजघाट रोड पर पुराने फिल्टर प्लांट के आगे तक पानी पहुंच गया है। राजघाट के पास जागीरदारपुरा में बने नवीन घाट से श्रद्धालु नर्मदा पूजन-दर्शन करने पहुंच रहे हैं। तटीय क्षेत्रों में जल जमाव भी नजर आने लगा है। शुक्रवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, ओंकारेश्वर बांध के सभी गेट बंद कर 8 टरबाइन चलाकर 1896 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, इंदिरा सागर से भी मात्र 6 टरबाइन चलाकर 1610 क्यूमेक्स पानी प्रवाहित किया जा रहा है।

पंजीयन के साथ भावांतर की रिलॉन्चिंग का विरोध

भोपाल। शिवराज सरकार द्वारा 2017 में शुरू की गई भावांतर योजना मप्र की मोहन सरकार फिर से शुरू करने जा रही है। सोयाबीन के लिए शुक्रवार से पंजीयन शुरू हों गए हैं। इस योजना के विरोध में मप्र के अलग-अलग इलाकों में किसान ट्रेक्टर रैलियां निकाल रहे हैं। हरदा, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम सहित कई जिलों में किसान भावांतर के खिलाफ रैलियां निकाल चुके हैं। किसानों का कहना है कि मध्यप्रदेश में 2017 में लागू की गई भावांतर भुगतान योजना किसानों के लिए लाभकारी साबित नहीं हुई। किसानों के अनुभव कड़वे रहे और इस कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। इसके बावजूद इस वर्ष राज्य सरकार ने इसे फिर से शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि यह योजना उनके हित में नहीं बल्कि शोषण के लिए है। जब पहले से ही न्यूनतम समर्थन मूल्य मौजूद है तो फिर अलग से भावांतर भुगतान योजना क्यों? सरकार यह स्पष्ट नहीं कर पा रही कि यह योजना किसानों के लिए फायदेमंद है या उद्योगों और व्यापारियों के लिए। किसानों को नुकसान का डर भावांतर को लेकर किसानों के विरोध की वजह यह है कि एमएसपी में एकरूपता होती है। पूरे प्रदेश में किसी भी मंडी में समान भाव मिलता है। लेकिन, भावांतर योजना में यह संभव नहीं है। इससे किसानों को नुकसान का डर है। योजना लागू करने के पहले असली हितधारकों (किसानों) से राय नहीं ली गई। एकतरफा निर्णय थोपे जा रहे हैं। यदि सरकार को विश्वास है कि यह योजना अच्छी है तो किसानों को विकल्प दिया जाएं। पंजीयन के समय किसान चुन सकें कि वे एमएसपी पर बेचना चाहते हैं या भावांतर पर। इस योजना से बाजार भाव गिरते हैं, मार्केट में हेरफेर और असमानता पैदा होती है। इसमें केवल 40 प्रतिशत उत्पादन खरीदने और अधिकतम 15 प्रतिशत मूल्य अंतर भरने की बात कही गई है, जिससे किसानों को वास्तविक लाभ नहीं मिलेगा। सरकार पहले मुआवजा दें किसानों का कहना है कि जब फसलें बर्बाद हो चुकी हैं तो सरकार का पहला कर्तव्य मुआवजा देना है। और जो उत्पादन बचा है, उसका सही मूल्य दिलाने के लिए रूस्क्क के ऊपर बोनस देना चाहिए।

झांकी के पास खेल रही 10 साल की बच्ची की बंदूक का छर्रा लगने से मौत

पीएम, बेलेस्टिक रिर्पोट का इंतेजार, लायसेंसी शस्त्र धारको से पूछताछ जारी

पुलिस के मुताबिक शशि हाइटेक सिटी, राजहर्ष कोलार में रहने वाले सुनील रजक पानी सप्लाई करने का काम करते हैं। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं।

भोपाल। नये शहर के कोलार रोड थाना इलाके के राजहर्ष कॉलोनी में दशहरा के दिन झांकी पंडाल के पास खेल रही 0 साल की बच्ची की गुरुवार रात गोली लगने से मौत हो गई। मौत का कारण गोली लगना सामने आया है। सूत्रो के अनुसार इसका खुलासा मासूम की एक्स-रे रिपोर्ट से हुआ है। एक्सरे में साफ हो गया है, कि गोली बच्ची की गर्दन और कंधे के बीच ऊपर से घुसी और कमर में जाकर धंस गई। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर शुक्रवार को शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। सूत्रो के अनुसार शार्ट पीएम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस जहॉ अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला कायम करने की तैयारी में है। वहीं पुलिस बेलेस्टिक रिर्पोट का इंतेजार भी कर रही है, जिससे गोली चलने की सही दिशा और उसके चलाये जाने की सही दूरी की जानकारी मिल सकती है। इसे लेकर शुक्रवार सुबह पुलिस ने घटना का रीक्रिएशन किया। पुलिस के मुताबिक शशि हाइटेक सिटी, राजहर्ष कोलार में रहने वाले सुनील रजक पानी सप्लाई करने का काम करते हैं। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। उनकी 10 साल की बेटी रिया रजक चौथी कक्षा की छात्रा थी। रिया उनकी इकलौती लड़की थी, पहले एक बड़ा बेटा, फिर रिया और उसका छोटा भाई है। गुरुवार को दशहरा के दिन दोपहर करीब साढ़े 12 बजे रिया कॉलोनी के अन्य बच्चों के साथ राजहर्ष कॉलोनी स्थित झांकी के पास खेल रही थी। खेलते-खेलते वह अचानक वह गश खाकर गिर गई। लोगों ने देखा तो रिया के बाएं कंधे और गर्दन के बीच गहरा घाव नजर आया जिसमें से खून बह रहा था। फौरन ही मासूम को इलाज के लिये जेके अस्पताल पहुचांया गया, जहां करीब दो घंटे चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। थाना पुलिस का कहना है कि फिलहाल फुल पीएम रिर्पोट का इंतेजार किया जा रहा है, जिसके आधार पर ही आगे की कार्यवाही की दिशा तय की जायेगी। वहीं रिया के परिवार वालो का अनुमान है, कि आसपास किसी ने हर्ष फायर किया होगा, इसी दौरान गोली किसी चीज से टकराने के बाद गोली की दिशा बदल गई और वह रिया को आ लगी। वहीं पुलिस ने पूछताछ के लिये घटना स्थल के आस पास रहने वाले उन सभी को थाने तलब किया जिनके पास शस्त्र लाइसेंस हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का अनुमान है, कि शस्त्र पूजा के बाद किसी ने हर्ष फायर किया है, जिससे गोली लगने से बच्ची की मौत हुई है।

बिहार विधानसभा चुनाव जीतने मप्र में बिछ रही चौसर

पार्टियां रणनीति बनाकर नेताओं को लगाएगी मोर्चे पर

भोपाल। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा अभी भले ही नहीं हुई है, लेकिन चुनाव जीतने के लिए मप्र में भाजपा और कांग्रेस की रणनीति बनने लगी है। दोनों पार्टियां बिहार के चुनावी मैदान को फतह करने के लिए मप्र के नेताओं को जातीय समीकरण के साथ तैनात करेंगी। इसके लिए नेताओं की क्षेत्रवार सूची बनाई जा रही है। गौरतलब है कि जब भी किसी दूसरे राज्य में चुनाव होते हैं मप्र के नेता वहां अपनी-अपनी पार्टियों और प्रत्याशियों के लिए काम करते हैं। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बाद भाजपा ने बिहार चुनाव को लेकर भी तगड़ी तैयारी की है। भाजपा ने बिहार चुनाव में आरजेडी गठबंधन को पटखनी देने के लिए मध्य प्रदेश के नेताओं को मैदान में उतार दिया है। भाजपा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बिहार में भी यादव चेहरे के रूप में प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री जल्द ही बिहार में भी चुनावी रैली करते दिखाई देंगे। मुख्यमंत्री के अलावा मध्य प्रदेश के संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा सहित कई मौजूदा और पूर्व मंत्रियों को बिहार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मध्य प्रदेश के कई नेताओं ने संभाला मोर्चा हालांकि बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन भाजपा ने जमीनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। मध्य प्रदेश के कई नेताओं को चुनावी तैयारियों के लिए बिहार भेजा गया है। मध्य प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश के मंत्री प्रहलाद पटेल, विश्वास सारंग, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, सांसद अनिल फिजोरिया और पूर्व सांसद केपी यादव को भी बिहार चुनाव की जिम्मेदारी दी गई है। कई नेताओं ने बिहार में जिम्मेदारी संभाल भी ली है। हालांकि मंत्री प्रहलाद पटेल की माता जी का स्वास्थ्य खराब होने की वजह से अभी वे बिहार नहीं गए हैं। उधर वीडी शर्मा ने बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। उन्होंने मुंगेर और बेगूसराय लोकसभा सीट पर कार्यकताओं की बैठकें शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे बिहार का दौरा उधर मुख्यमंत्री मोहन यादव और केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी बिहार में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। ये दोनों नेता ओबीसी वर्ग से आते हैं। भाजपा का चुनाव में फोकस भी एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के नेताओं को लेकर ज्यादा है। भाजपा मुख्यमंत्री मोहन यादव को ओबीसी वर्ग के चेहरे के रूप में चुनाव में प्रस्तुत करेगी। इसके पहले मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश में भी जमकर प्रचार किया था और अखिलेश यादव के लिए चुनौती पेश की थी और अब बिहार में लालू परिवार के लिए परेशानी बनेंगे।

कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ और प्रभावशाली चेहरों को बिहार भेजे जाने की चर्चा जोरों पर है, जिनकी भूमिका संगठन को मजबूत करने अहम मानी जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, बिहार चुनाव को देखते हुए एमपी कांग्रेस के नेताओं की डिमांड दिल्ली तक पहुंच चुकी है। जानकारी के मुताबिक पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री सचिन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री ओमकार मरकाम और विधायक आरिफ मसूद जैसे नेताओं को प्रचार और जमीनी रणनीति में उतारा जा सकता है। पूर्व विधायक कुणाल चौधरी को पहले ही बिहार में सक्रिय कर दिया गया है। उन्हें कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य बनाया गया है, जिसका काम योग्य और विचारधारा-निष्ठ उम्मीदवारों का चयन करना है। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि कुणाल चौधरी को बिहार संगठन में नई जान फूंकने की जिम्मेदारी दी गई है।

जातीय समीकरणों के हिसाब से प्लान

ओबीसी और मुस्लिम वोटबैंक को साधने के लिए पार्टी की विशेष रणनीति नजर आ रही है। हाल ही में बिहार में राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसी बात पर जोर दिया गया कि प्रचार के लिए जातीय आधार पर लोकप्रिय चेहरों को मैदान में उतारा जाए। इसी क्रम में आरिफ मसूद को मुस्लिम बहुल इलाकों में प्रचार की जिम्मेदारी मिल सकती है, जबकि ओबीसी नेताओं को वर्ग विशेष के बीच भेजा जाएगा। कुछ नेताओं को पहले ही आब्जर्वर (पर्यवेक्षक) के रूप में जिम्मेदारी दी जा चुकी है। हाल में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी सूची के अनुसार, प्रियव्रत सिंह, पंकज उपाध्याय, अनुपमा आचार्य और आरिफ मसूद को बिहार चुनाव के लिए विशेष पर्यवेक्षक बनाया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जल्द ही अधिकारिक आदेश जारी किए जाएंगे, जिसमें इन नेताओं की जोनवार जिम्मेदारियों की घोषणा की जाएगी।

सीढ़ियो से गिरी 6 और 2 साल की मासूम बहनें एक की मौत

बड़ी बहन गोद में लेकर उतर रही थी छोटी बहन, पैर फिसलने से हुआ हादसा

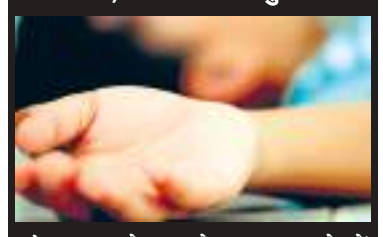

भोपाल। पुराने शहर के इतवारा इलाके में सीढ़ी से उतरते समय हुए दर्दनाक हादसे में 2 साल की मासूम की मौत हो गई। बताया गया है कि हादसे के समय बड़ी बहन मासूम छोटी बहन को गोदी में लेकर सीढ़ी उतर रही थी। अचानक पैर फिसलने के कारण दोनों बहनें नीचे गिर गई। गंभीर चोटे आने के कारण उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां छोटी बहन की मौत हो गई। वहीं बड़ी बहन का इलाज जारी है। मंगलवारा पुलिस के अनुसार 2 साल साल माहिन नूर इतवारा वाले इलाके में किराए के मकान में रहती थी। उसके पिता चूड़ी बेचने का काम करते हैं। परिवार में माता-पिता के अलावा माहिन की 6 साल की बड़ी बहन है। दोनो बहनें अक्सर ही खेलने के लिए मकान की छत पर चली जाती थीं। गुरूवार शाम भी दोनो खेलने के लिए छत पर गई थीं। शाम करीब सात बजे बड़ी बहन छोटी बहन माहिन को गोद में लेकर सीढ़ी से नीचे उतर रही थी। इसी दौरान बड़ी बहन का पैर फिसला जिसके कारण दोनों बहनें सीढ़ियों से लुढकते हुए नीचे आ गई। घटना में दोनों बहनों को गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर देर रात माहिन की मौत हो गई। उसकी बड़ी बहन का अब भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

इंजीनियरों की तकनीकी दक्षता सवालों के घेरे में

भोपाल। भोपाल में निर्मित 90 डिग्री टर्न वाले रेलवे ओवरब्रिज और इंदौर में जेड आकार वाले ब्रिज से हुई बदनामी तथा कई जगहों से सडक, पुल, भवनों के निर्माण में तकीनीकी गड़बडियां सामने आने के बाद लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों को कंस्ट्रक्शन वर्क के रूल्स पढने का निर्देश दिया था। लेकिन विडंबना यह है कि करीब 90 दिन बाद भी लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर कंस्ट्रक्शन के नियम याद नहीं कर पाए। इससे लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों की कार्यशैली और तकनीकी दक्षता गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। दरअसल, पीडब्ल्यूडी ने भवन, सडक और पुल बनाने के मामले में मापदंडों का पालन नहीं किए जाने पर विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने एक निर्देश जारी कर कहा था कि प्रदेश में कई स्थानों पर भवन, सडक और पुल बनाने का काम किया जा रहा है। इसकी क्वालिटी में गड़बड़ी न हो और निर्माण कार्य का टिकाऊपन (ड्यूरेबिलिटी) बना रहना चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन पूरी तरह से होना जरूरी है। इसके लिए इंडियन रोड कांग्रेस और नेशनल बिल्डिंग कोड के साथ भारतीय मानक कोड के आधार पर काम करने को कहा गया। ऐसे में विभाग के सब इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और एक्जीक्यूटिव इंजीनियर को मानकों का दोबारा और अच्छे से अध्ययन करने को कहा गया था। हैरत की बात यह है कि विभागीय इंजीनियरों को निर्माण कार्यों से संबंधित मानक कोड्स ही याद नहीं है और वे वर्षों से यही काम रहे हैं। इंजीनियरों को मानक कोड्स याद नहीं प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी के आदेश में सडक, पुल और भवन निर्माण से जुड़े इंजीनियरों को भारतीय सडक कांग्रेस (आईआरसी), नेशनल बिल्डिंग कोड (एनबीसी) और संबंधित भारतीय मानक (आईएस) कोड्स के अनुसार निर्माण कार्य करने और इन कोड्स को याद करने की बात कही गई थी।

निकायों की मतदाता सूची बनेगी आधार

कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों की होगी पड़ताल

13 नवंबर को मतदाता सूची होगी तैयार

दरअसल निकाय चुनाव की मतदाता सूची भी चुनाव आयोग की वोटिंग लिस्ट के आधार पर ही तैयार की जाती है। ऐसे में 13 नवंबर तक नगरीय निकायों की मतदाता सूची तैयार हो जाएगी। अब सबकी नजर इस लिस्ट पर है। अगर नगरीय निकाय सूची में मतदाताओं के नाम से छेडखानी होगी, तो कांग्रेस का आरोप मजबूत हो जाएगा और अगर ऐसा नहीं हुआ, तो इसे कांग्रेस का राजनीतिक एजेंडा माना जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची की शुद्धता पर विशेष ध्यान दें। किसी भी मतदाता का नाम सूची में छूटना नहीं चाहिए । इसी सूची के आधार पर दिसंबर में प्रस्तावित पंचायत एवं नगरीय निकायों के चुनाव होंगे।

राहुल ने गहन पुनरीक्षण पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। बिहार चुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा कराए गए गहन पुनरीक्षण को लेकर उन्होंने सवाल उठाए थे। इसके बाद मध्य प्रदेश में भी पार्टी की ओर से वोट चोरी के आरोप लगाए गए थे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दावा किया था कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की मतदाता सूची में भी गड़बड़ी हुई थी।

भोपाल। देश में इनदिनों कांग्रेस वोट चोरी का आरोप लगाकर भाजपा और चुनाव आयोग को घेरने में लगी हुई है। कांग्रेस मध्य प्रदेश में भी वोट चोरी का आरोप लगा रही है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों की पड़ताल की जाएगी। दरअसल, प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव होने हैं। ऐसे में राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची की शुद्धता पर विशेष ध्यान दें। किसी भी मतदाता का नाम सूची में छूटना नहीं चाहिए। इसी सूची के आधार पर दिसंबर में प्रस्तावित पंचायत एवं नगरीय निकायों के चुनाव होंगे। इस तरह निकायों की मतदाता सूची से कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों की पड़ताल भी हो जाएगी। गौरतलब है कि कांग्रेस

पार्टी चुनाव आयोग पर पिछले काफी समय से अनगिनत गंभीर आरोप लगा रही है। कांग्रेस का कहना है कि पूरे देश की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में हेरफेर हुई है। इसी को आधार बनाकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अक्सर वोट चोरी का राग अलापते हैं। मगर अब सच जल्द ही सामने आ जाएगा। मध्य प्रदेश के जिला मुख्यालयों में कांग्रेस वोट चोरी को लेकर रैलियां निकाल रही हैं। मगर, अब मतदाता सूची में गड़बड़ी का पता निकाय चुनाव की सूची से लगाया जाएगा।

भाजपा संगठन में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

जिलों में महिलाओं को सौंपी जा रही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

भोपाल। भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। भाजपा ने जनवरी में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद अब जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर रही है। अब तक घोषित 16 जिलों की कार्यकारिणी में महिलाओं को 25 से 33 प्रतिशत स्थान दिया जा रहा है। एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को भी प्रतिनिधित्व मिला है। प्रत्येक जिला कार्यकारिणी में पांच से सात महिला नेताओं को उपाध्यक्ष से लेकर महामंत्री और मंत्री पद दिया गया है। पिछले दिनों भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष द्वारा भोपाल ली गई बैठक के बाद से ही जिला कार्यकारिणी की घोषणा शुरू हुई थी। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की भी घोषणा जल्द की जानी है। इनमें भी महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देखने को मिलेगा। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है। महिलाओं को अहम पद सौंपे जा रहे हैं। जिला कार्यकारिणी के गठन के साथ महिलाओं को प्रमुख जिम्मेदारी सौंपे जाने की शुरूआत भाजपा ने कर दी है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में युवा मोर्चा, प्रदेश कार्यकारिणी सहित अन्य समितियों में भी महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपनी नई टीम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभी जिला कार्यकारिणी का गठन का किया जा रहा है। अब तक 20 से ज्यादा जिलों की कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। दरअसल मप्र भाजपा पीएम नरेंद्र मोदी के महिला सशक्तीकरण के सिद्धांत पर चल रही है। इसलिए पार्टी से जुड़ी महिलाओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जा रहे हैं। भाजपा की नई कार्यकारिणियों में महिलाओं को 20 से 33 प्रतिशत तक प्रतिनिधित्व दिया गया है। प्रत्येक जिले में पांच से सात महिला नेताओं को उपाध्यक्ष, महामंत्री और मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जगह दी गई है। यह संख्या पिछली कार्यकारिणी की तुलना में काफी अधिक है। सात जिलों में महिलाओं को बनाया अध्यक्ष गौरतलब है कि भाजपा ने 62 संगठनात्मक जिलों में से सात जिलों में महिलाओं को अध्यक्ष बनाया है। सागर ग्रामीण में रानी पटेल कुशवाहा, टीकमगढ़ में सरोज राजपूत, शहडोल में अमिता चपरा, सिवनी में मीना बिसेन, नर्मदापुरम में प्रीति शुक्ला, खरगोन में नंदा ब्रह्मने और नीमच में वंदना खंडेलवाल को अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि पिछली बार केवल पांढुर्णा में महिला जिला अध्यक्ष थीं। वहीं कांग्रेस ने 71 संगठनात्मक जिलों में से केवल चार जिलों नरसिंहपुर (सुनीता पटेल), आगर-मालवा (विजयलक्ष्मी तंवर), खंडवा (प्रतिभा रघुवंशी) और सिंगरौली (सरस्वती सिंह मरकाम) में महिलाओं को अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं नर्मदापुरम की जिला कार्यकारिणी में 19 में से 5 महिलाओं को प्रमुख पद दिए गए हैं।

मध्य प्रदेश में 5 डे वर्किंग कल्चर होगा खत्म!

भोपाल। मध्य प्रदेश में कर्मचारियों की छुट्टियों पर सरकार की कैंची चलने जा रही है। राज्य सरकार प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली छुट्टियों को कम करने पर विचार कर रही है। सरकारी कार्यालयों में आए दिन होने वाली छुट्टियों से काम की गति में ब्रेक लगने और लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए राज्य सरकार ने गैर जरूरी छुट्टियों की एनालिसिस शुरू कर दी है। इसके लिए चार विभागों के अधिकारियों की कमेटी गठित की गई है। मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां के मामले में मौज रहती है। इस अक्टूबर माह में ही प्रदेश के सरकारी कर्मचारियां की 12 घोषित और 4 ऐच्छिक अवकाश हैं। यानी 31 दिन में 15 दिन ही दफ्तरों में काम होगा। इसी तरह पूरे साल की छुट्टियों का लेखा-जोखा देखा जाए तो प्रदेश में साल के 365 दिनों में से सरकारी कर्मचारियों को 196 दिनों की छुट्टियां मिल रही हैं। कर्मचारी-अधिकारियों की छुट्टियां कैसिल कोरोना काल के समय से प्रदेश में 5 डे वर्किंग भी शुरू हो गया है, यानी कर्मचारियों को केन्द्रीय कर्मचारियों के समान सप्ताह में शनिवार और रविवार का अवकाश मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया स्कूल हादसा: दो दिन बाद भी कम से कम 91 छात्र मलबे में दबे हैं

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत में सोमवार को अल-खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल की इमारत गिरने से बड़ी त्रासदी हुई। हादसे के समय सैकड़ों छात्र नमाज अदा कर रहे थे। इमारत के अवैध विस्तार कार्य के दौरान ढह जाने से अब तक 91 छात्रों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने मंगलवार देर रात यह आंकड़ा पहले के 38 से बढ़ाकर 91 किया। अब तक 3 छात्रों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 100 से अधिक घायल हुए हैं। 300 से ज्यादा राहतकर्मी लगातार मलबा हटाकर फंसे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

चीन के लिए जासूसी में शीर्ष जर्मन राजनेता के पूर्व सहायक को जेल

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर डचलैंड (एएफडी) के एक शीर्ष नेता के पूर्व सहायक को चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में पांच साल जेल की सजा सुनाई गई। एक अधिकारी ने बताया कि जर्मन गोपनीयता नियम के मुताबिक, अभियुक्त की पहचान जियान जी के रूप में हुई है। वह पूर्व सांसद मैक्सिमिलियन क्राह के साथ काम करते हुए यूरोपीय संसद की जानकारी चीनी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा कर रहा था।

नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन विस्फोट मामले में एक और यूक्रेनी गिरफ्तार

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड में नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन विस्फोट मामले में एक और संदिग्ध यूक्रेनी को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले अगस्त में इटली में एक यूक्रेनी पकड़ा गया था। 2022 में समुद्र के नीचे हुए विस्फोट में रूस और जर्मनी के बीच स्थित इन पाइपलाइनों को भारी नुकसान पहुंचा था। पोलिश रेडियो के अनुसार, वोलोडिमिर जेड को मध्य पोलैंड के प्रुस्जकोव में पुलिस ने हिरासत में लिया और वारसॉ जिला अभियोजक कार्यालय भेज दिया।

संसदीय चुनावों में राष्ट्रपति ब्राइस क्लोटेयर ओलिगी न्गुएमा की पार्टी को सर्वाधिक सीटें

लिब्रेविल, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश गैबोन में 2023 की सैन्य तख्तापलट के बाद हुए पहले संसदीय चुनावों में राष्ट्रपति ब्राइस क्लोटेयर ओलिगी न्गुएमा की पार्टी डेमोक्रेटिक यूनियन ऑफ बिल्डर्स (यूडीबी) ने सबसे अधिक 55 सीटें जीतीं। आंतरिक मंत्रालय द्वारा जारी अस्थायी नतीजों के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति अली बोंगो की पार्टी गैबोनीज डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीजी) को केवल 3 सीटें मिलीं। कुछ क्षेत्रों में दोनों ने संयुक्त रूप से 4 सीटें जीतीं। 77 सीटों पर 11 अक्टूबर को दूसरा चरण होगा, जहां अधिकतर मुकाबला यूडीबी और पीडीजी में है। न्गुएमा ने अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव जीतकर संवैधानिक लोकतंत्र की वापसी का संकेत दिया था।

फ्रांस में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत का शव बरामद, पेरिस में मृत पाए गए

मास्को, एजेंसी। फ्रांस में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत इमैनुएल नकोसिनाथी मथेथ्वा (नाथी मथेथ्वा) का शव बरामद हुआ। मंगलवार सुबह पेरिस के पश्चिमी हिस्से में स्थित एक लक्ज़री होटल की इमारत के नीचे 58 वर्षीय मथेथ्वा मृत पाए गए। सोमवार रात लापता बताए गए अफ्रीकी राजदूत की पत्नी को उनका चिंताजनक संदेश मिला जिसमें उन्होंने माफी मांगते हुए आत्महत्या की मंशा जताई थी। इसके बाद जांच के दौरान मंगलवार सुबह होटल के सुरक्षा गार्ड ने आंगन में उनका शव पाया। जांच में सामने आया कि उन्होंने होटल की 22वीं मंजिल पर कमरा लिया था और खिड़की का सुरक्षा तंत्र जबरन खोला गया था। मौके से किसी संघर्ष, दवा या नशीले पदार्थ के निशान नहीं मिले। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस दुखद परिस्थिति पर शोक व्यक्त किया और परिजनों के प्रति संवेदना जताई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि मथेथ्वा को दिसंबर 2023 में फ्रांस का राजदूत नियुक्त किया गया था।

6 साल में पहली बार, अमेरिका में शटडाउन

ट्रंप सरकार को थी 60 वोटों की दरकार, 55 ही मिले, अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप

वॉशिंगटन, एजेंसी। पिछले छह सालों में पहली बार अमेरिका में एक बार फिर शटडाउन हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में अस्थायी फंडिंग बिल पास कराने में विफल रही है। उसे 60 वोटों की दरकार थी लेकिन सरकार महज 55 वोट ही जुटा सकी। इस वजह से यह प्रस्ताव गिर गया। स्पेडिंग बिल पास कराने में विफल होने के बाद ट्रंप सरकार को 7 हफ्तों की मोहलत देने के लिए अस्थाई फंडिंग बिल लाया गया था। इसके साथ ही फंडिंग की समय सीमा आज रात खत्म हो गई। साफ है कि इस स्थिति की वजह से अब सरकार जरूरी फंडिंग का विस्तार नहीं कर पाएगी, यानी कोई खर्च नहीं कर पाएगी। इसका सीधा मतलब है कि संघीय सरकार के सभी कामकाज रुक जाएंगे।

इससे पहले सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी ने अल्पकालिक उपाय के तौर पर ट्रंप सरकार को 21 नवंबर तक फंड उपलब्ध कराने के लिए सीनेट में अस्थाई फंडिंग बिल पेश किया था लेकिन देर रात तक सीनेट में हुई बहस के बाद वह प्रस्ताव गिर गया। इस दौरान सीनेट में सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेट्स के बीच गरमागरम बहस हुई। आखिरकार 100 सदस्यों वाले सदन में प्रस्ताव के पक्ष में 60 वोट नहीं पड़ सके और यह प्रस्ताव 55-45 के अंतर से गिर गया।

वाइट हाउस की वेबसाइट पर काउंटडाउन शुरू: इस स्थिति के बाद वाइट हाउस की वेबसाइट पर शटडाउन का काउंटडाउन क्लॉक लगाया गया था। पेज पर इसे डेमोक्रेट शटडाउन बताया गया है और लिखा गया कि लोग डेमोक्रेट्स से सहमत नहीं हैं। वाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने भी ज्ञापन जारी कर पुष्टि की है कि सरकार मंगलवार मध्यरात्रि से बंद हो जाएगी। इस ज्ञापन पर निदेशक रसेल वॉट के हस्ताक्षर हैं। अमेरिकी सरकार के कामकाज को संचालित करने के लिए हर साल संसद से बजट यानी फंडिंग बिल पास कराना जरूरी होता है। अगर किसी भी कारण से अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन में यह बिल पास नहीं

होता है तो सरकारी दफ्तरों का कामकाज बंद हो जाता है, क्योंकि उसके कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पाता है। इसके अलावा अन्य खर्चे भी रुक जाते हैं। नतीजतन गैर जरूरी काम रोक दिए जाते हैं। इस स्थिति को ही शटडाउन कहा जाता है। पिछले दो दशकों में यह अमेरिका की पांचवीं बड़ी शटडाउन स्थिति बनी है। माना जा रहा है कि इस शटडाउन का व्यापक असर हो सकता है क्योंकि कई प्रमुख कार्यालय बंद हो जाएंगे। इस बीच डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन एक-दूसरे पर शटडाउन की जिम्मेदारी डाल रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी सीनेट में आज देर रात एक बार फिर से फंडिंग बिल पर वोट कराने की तैयारी में है। रिपब्लिकन नेताओं ने कहा है कि जब तक डेमोक्रेट्स बिल को समर्थन नहीं देंगे, तब तक इस बिल को रोजाना पेश किया जाएगा। ट्रम्प ने इस शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। वे पहले ही सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी दे चुके है। 9 लाख कर्मचारियों को जबरन छुट्टी पर भेजने का खतरा बढ़ गया है। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के एक सांसद ने फंडिंग बिल के खिलाफ वोट किया है। वहीं दो डेमोक्रेट सांसदों ने बिल के समर्थन में वोट किया। रिपब्लिकन पार्टी के फंडिंग बिल से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी ने हेल्थ केयर के प्रावधानों वाला अपना फंडिंग बिल पेश किया था। हालांकि, यह बिल भी पास नहीं हो पाया था। बिल के समर्थन में 47 और विरोध में 53 वोट पड़े थे। सभी डेमोक्रेट्स ने इसके पक्ष में और सभी रिपब्लिकन ने इसके खिलाफ मतदान किया।

हेल्थ केयर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई

अमेरिका के दोनों प्रमुख दल डेमोक्रेट और रिपब्लिकन में ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी प्रोग्राम को लेकर ठन गई थी। डेमोक्रेट्स चाहते थे कि हेल्थ केयर (स्वास्थ्य बीमा) की सब्सिडी बढ़ाई जाए। रिपब्लिकन को डर था कि अगर सब्सिडी बढ़ाई गई तो सरकार को खर्च करने के लिए और पैसे की जरूरत पड़ेगी, जिससे बाकी सरकारी काम प्रभावित होंगे। शटडाउन रोकने के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प और डेमोक्रेटिक नेताओं ने सोमवार को व्हाइट हाउस में बैठक की थी, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला।

अमेरिका में खर्च का सीजन 1 अक्टूबर से शुरू

अमेरिका का फिस्कल ईयर यानी खर्च का साल 1 अक्टूबर से शुरू होता है। यह एक तरह से सरकार का आर्थिक साल होता है, जिसमें वह अपना पैसा खर्च करने और बजट बनाने की योजना बनाती है। इस दौरान सरकार तय करती है कि कहां पैसा लगाना है, जैसे सेना, स्वास्थ्य या शिक्षा में। अगर इस तारीख तक नया बजट पास नहीं होता, तो सरकारी कामकाज बंद हो जाता है।

शटडाउन से अमेरिका पर क्या असर पड़ेगा?

अमेरिका में सरकारी शटडाउन लगने के बाद अब सरकार के पास खर्च के लिए पैसा नहीं होगा। इससे सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली सैलरी से लेकर तमाम दूसरे खर्च रुक जाएंगे। शटडाउन होने से अमेरिकी सरकार को अपने खर्चों में कटौती करनी होगी। हालांकि, इमरजेंसी सर्विसेज जैसे- मेडिकल सर्विस, सीमा सुरक्षा और हवाई सेवाएं जारी रहेंगी। अमेरिका में पिछले 50 साल में फंडिंग बिल अटकने की वजह से 20 बार शटडाउन हुआ है। ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में ही 3 बार सरकार को शटडाउन का सामना करना पड़ा था।

लाइव मीटिंग में महिला ने अचानक उतारे कपड़े! सब देखते रह गए

डेविस , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के डेविस शहर से हाल ही में एक ऐसी हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया। डेविस जॉइंट यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट की एक बोर्ड मीटिंग के दौरान बेथ बॉर्न नाम की एक महिला ने विरोध जताते हुए अचानक सबके सामने अपने कपड़े उतार दिए। जब तक लोग कुछ समझ पाते वह सिर्फ बिकिनी पहनकर अपना भाषण देने लगीं। इस अनोखे विरोध के कारण तुरंत ही बैठक को स्थगित करना पड़ा और पूरे हॉल में हड़कंप मच गया। यह अजीबोगरीब घटना तब घटी जब स्कूल बोर्ड की मीटिंग में ट्रांसजेंडर छात्रों से जुड़ी नीतियों पर चर्चा हो रही थी। जिला प्रशासन ने एक नियम बनाया था जिसके तहत ट्रांसजेंडर छात्र अपनी पहचान के हिसाब से लॉकर रूम और बाथरूम का इस्तेमाल कर सकते थे। उदाहरण के लिए यदि कोई छात्र खुद को लड़की मानता है तो वह लड़कियों वाले लॉकर रूम का उपयोग कर सकता है। बेथ बॉर्न को यह नीति बिल्कुल पसंद नहीं आई। उनका मानना है कि यह नियम बाकी छात्राओं की सुरक्षा और निजता के लिए खतरा है और उन्हें असहज महसूस कराता है।

विरोध का नाटकीय अंदाज़ और महिला का बयान

रिपोर्ट्स के अनुसार बेथ बॉर्न ने अपना विरोध जताने के लिए धीरे-धीरे अपने कपड़े उतार दिए। उनका मकसद था कि बोर्ड के सदस्य यह महसूस कर सकें कि शारीरिक शिक्षा (पी.ई.) क्लास के दौरान जब छात्राओं को लॉकर रूम में कपड़े बदलने पड़ते हैं तो उन्हें कितनी असहज स्थिति झेलनी पड़ती है। कहा मैं डेविस यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट की एक अभिभावक हूं। मैं यहां इसलिए आई हूं ताकि आप सब यह महसूस कर सकें कि मौजूदा नीतियों के कारण छात्राओं को लॉकर रूम में कपड़े बदलने के वक्त कितनी असुरक्षा और असहजता होती है।

दुनिया में पहली बार बनेगी ड्रोन वॉल

रूस से डरे 27 देशों का फैसला; कैसे करेगी काम

कोपेनहेगन , एजेंसी। दुनिया में युद्ध के तरीके अब बदलते जा रहे हैं। कभी तोप, बंदूक और टैंकों से जो जंग हुआ करती थी, उसमें ड्रोन वारफेयर ने जगह ले ली है। ईरान, रूस और तुर्की जैसे देशों ने ड्रोन्स के मामले में बढ़त हासिल की है। रूस ने तो यूक्रेन से जंग में पारंपरिक हथियारों के मुकाबले ड्रोन से ज्यादा सफलता हासिल की। अहम बात यह है कि ड्रोन वारफेयर में लागत कम है और टारगेट पर सीधा हमला करके सफलता पाने की संभावनाएं अधिक हैं। वहीं इसे लेकर होने वाले नुकसान की चिंताएं भी बढ़ गई है। यूरोप में तो ड्रोन्स को लेकर खौफ का आलम है। यूरोपियन यूनियन ने इसे लेकर आज एक मीटिंग डेनमार्क में बुलाई है, जिसमें ड्रोन वॉल बनाने को लेकर बात की जाएगी।

दरअसल यूरोपियन यूनियन की चिंता की बात यह है कि कुछ दिनों पहले ही रूसी ड्रोन पोलैंड के आसमान में देखे गए थे। पोलैंड नाटो देश है, फिर भी उसके यहां इस तरह रूसी ड्रोन्स देखे जाने से हलचल मच गई थी। इसके अलावा एस्टोनिया और रोमानिया ने भी शिकायत की है कि उनके आसमान में रूसी ड्रोन देखे गए। ये तो सितंबर महीने के ही मामले हैं। इसके बाद रूस की सीमा से लगते बुल्गारिया, एस्टोनिया, हंगरी, लातविया, लिथुआनिया, रोमानिया, पोलैंड, स्लोवाकिया,

डेनमार्क और फिनलैंड जैसे देशों ने वार्ता की। इस मीटिंग में तय हुआ कि हमें ड्रोन वॉल तैयार करनी होगी। अब सवाल है कि यह ड्रोन वॉल क्या होगी और कैसी होगी।

जिस ड्रोन वॉल की बात की जा रही है, वह ऐंटी ड्रोन तकनीकों का तैनात होना है। ऐसी तकनीक से ड्रोन्स की एंट्री पर सिस्टम तुरंत अलर्ट होगा और उन्हें माकूल जवाब दिया जाएगा। यूरोपियन यूनियन के किसी भी हिस्से में रूसी या अन्य किसी देश के ड्रोन्स को तत्काल इंटरसेप्ट करने में इससे मदद मिलेगी। इसके तहत राडार, जैमर और सेंसर इस्तेमाल किए जाएंगे। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन के सभी सदस्य देशों के बीच डेटा शेयरिंग को लेकर सहमति होगी। इसके तहत सभी देश एक-दूसरे को बताएंगे कि ड्रोन्स एंट्री कर रहा है या फिर उसकी स्थिति क्या है। नाटो के महासचिव मार्क रुट का कहना है कि हमें अपने आसमान को सुरक्षित रखना होगा। इसके लिए

तीन की मौत के बाद पीओके में बढ़ा लोगों का गुस्सा

पाकिस्तान के सभी एंट्री पॉइंट बंद करने की धमकी दी

जिनेवा, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों उबाल है और विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन प्रदर्शनकारियों की मौत से लोगों का गुस्सा और भड़क गया है। पीओके का विरोध प्रदर्शन इस कदर व्यापक हो गया है कि विदेशों में बसे पीओके के लोग भी प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष शौकत अली कश्मीरी ने स्विट्जरलैंड में न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा कि यह विरोध प्रदर्शन लोगों की बुनियादी जरूरतों को लेकर है। उन्होंने कहा कि पीओके के लोग बीते दो वर्षों से अपने बुनियादी अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शौकत अली

कश्मीरी ने कहा कि जॉइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले लोग बीते दो वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं। यह आंदोलन बुनियादी जरूरतों को लेकर है। बीते 77 वर्षों से पीओके के लोगों को बुनियादी अधिकारों और जरूरतों से दूर रखा गया। पहले राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने मंच से विरोध प्रदर्शन कर रहीं थीं। फिर सभी राजनीतिक पार्टियों और आम लोगों ने मिलकर एक जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी का गठन किया। बीते दो वर्षों से ये कमेटी ही आंदोलन का नेतृत्व कर रही है। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की सरकार को कठपुतली सरकार बताया और आरोप लगाया कि ये कठपुतली सरकार लोगों की वैध और सही मांगों को भी पूरा करने में नाकाम रही। लोग बिजली की किल्लत, बेरोजगारी और संवैधानिक अधिकारों की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन कठपुतली सरकार उनकी जायज मांगों को भी पूरा नहीं कर पा रही है। यूकेपीएनपी के नेताओं ने धमकी दी कि आने वाले समय में आंदोलन और तेज होगा क्योंकि लोग अब सोशल मीडिया के जरिए जुड़े हुए हैं। यूकेपीएनपी के नेता शौकत अली कश्मीरी ने धमकी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बंद रहेगा और पाकिस्तान जाने वाले सभी एंट्री पॉइंट बंद कर दिए जाएंगे।

नेतन्याहू कैबिनेट ने डेविड ज़िनी को शिन बेट चीफ बनाने की दी मंजूरी

यरुशलम, एजेंसी। गाजा में जारी हमले, वहां स्थाई युद्धविराम और शांति स्थापना पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सुझाए गए 20 सूत्री प्रस्ताव के बीच बेंजामिन नेतन्याहू कैबिनेट ने सर्वसम्मति से मेजर जनरल डेविड ज़िनी को शिन बेट का नया प्रमुख नियुक्त करने को अपनी मंजूरी दे दी है।इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि कैबिनेट ने मंगलवार को मेजर जनरल डेविड ज़िनी को घरेलू खुफिया एजेंसी शिन बेट का नया प्रमुख नियुक्त करने को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है।

नेतन्याहू ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के खिलाफ जाकर मई महीने में ही ज़िनी की नियुक्ति की घोषणा कर दी थी लेकिन कैबिनेट ने चार महीने बाद उनके नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई है। ज़िनी का कार्यकाल पांच साल का होगा। वह 5 अक्टूबर से कार्यभार संभालेंगे। वह रोनेन बार की जगह लेंगे, जिन्होंने जून में पद छोड़ दिया था। अप्रैल में नेतन्याहू ने उन्हें बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपने इस्तीफ़े की घोषणा की थी। इजरायल के सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को हटाए जाने को अवैध और गैर कानूनी बताया था। आतंकवाद-रोधी जांच का काम देखने वाली शिन बेट, नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है, जिसमें सुरक्षा प्रतिष्ठान के सदस्यों से लेकर गाजा में बंधकों के परिवारों तक के आलोचक शामिल हैं।

अमेरिका को ताइवान ने दिया झटका, सिरे से खारिज कर दी 50 प्रतिशत चिप वाली मांग

ताइपे, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में अमेरिका की दबंगई को छोटे से द्वीप देश ताइवान ने करारा जवाब दिया है। ताइवान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिका के उस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें कहा गया था कि ताइवान अपने 50 प्रतिशत सेमीकंडक्टर उत्पादन को अमेरिकी भूमि पर शिफ्ट करे। ताइवान की उप-प्रधानमंत्री चेंग ली-च्युन ने बुधवार को यह बयान दिया। चेंग ली-च्युन ताइवान की मुख्य टैरिफ वार्ताकार भी हैं।

चेंग ने स्पष्ट किया कि 50-50 चिप उत्पादन विभाजन का विचार केवल अमेरिका का है और ताइवान ने इस दिशा में कभी कोई प्रतिबद्धता नहीं दी है। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि यह अमेरिका की सोच है। हमारी वार्ता टीम ने कभी इस तरह की कोई सहमति नहीं दी। कृपया निश्चिंत रहें, हमने इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं की और न ही ऐसी किसी शर्त को मानेंगे।

चेंग हाल ही में वॉशिंगटन से लौटी हैं, जहां उन्होंने अमेरिकी टैरिफ को लेकर वार्ताएं कीं। उन्होंने बताया कि बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन अभी अंतिम समझौता नहीं हो सका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान से आने वाले सेमीकंडक्टर्स पर अस्थायी रूप से 20 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इस कदम से ताइवान के उद्योग जगत में चिंता बढ़ गई है। ट्रंप ने यह भी चेतावनी दी है कि वह सेमीकंडक्टर्स पर काफी बड़ा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं।

हाल के महीनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की मांग में भारी उछाल आया है। इसके चलते ताइवान और अमेरिका के बीच व्यापार घाटा और भी बढ़ गया है। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, ताइवान से अमेरिका को होने वाले 70 प्रतिशत से अधिक निर्यात सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े हैं, जिनमें

चिप्स भी शामिल हैं। इसी दबाव को कम करने के लिए ताइवान ने अमेरिका में अधिक निवेश करने, अमेरिकी ऊर्जा की अधिक खरीद करने और अपने रक्षा खर्च को जीडीपी के तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ाने का वादा किया है।

ताइवान वर्तमान में दुनिया के 50 प्रतिशत से अधिक सेमीकंडक्टर बनाता है, जिनमें से उच्चतम तकनीक वाले चिप्स का लगभग पूरा उत्पादन वही करता है। इसे लंबे समय से ताइवान की सिलिकॉन शील्ड माना जाता है। यह एक ऐसी सामरिक ढाल है जो चीन द्वारा आक्रमण या नाकाबंदी की स्थिति में अमेरिका को ताइवान की सुरक्षा में शामिल होने के लिए मजबूर करती है। एक इंटरव्यू में कहा था कि ताइवान का 50 प्रतिशत चिप उत्पादन अमेरिका में होना चाहिए। उनका तर्क था कि अगर हमें कभी जरूरत पड़े तो हमारे पास खुद उत्पादन करने की क्षमता होनी चाहिए। हमारा लक्ष्य अमेरिकी खपत के लिए कम से कम 40 से 50 प्रतिशत चिप्स और वेफर्स का उत्पादन करना है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि ताइवान इस 50-50 योजना पर सहमत नहीं होता, तो चीन के संभावित आक्रमण के खिलाफ अमेरिकी सुरक्षा सहायता पर असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि ताइवान दुनिया की सबसे एडवांस सेमीकंडक्टर चिप्स का 90 प्रतिशत से अधिक उत्पादन करता है। वह अमेरिका की इस मांग को अपनी आर्थिक संप्रभुता पर हमला मानता है। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी है, जो एनवीडिया, एप्पल जैसी अमेरिकी टेक दिग्गजों के लिए चिप्स बनाती है। ताइवान के अधिकारियों का कहना है कि सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन इतनी जटिल और विशेषज्ञता वाली है कि इसे किसी एक देश में पूरी तरह स्थानांतरित करना असंभव है। उप-प्रधानमंत्री चेंग ली-चुन ने जोर देकर कहा कि ताइवान अमेरिका के साथ सहयोग जारी रखेगा, लेकिन अपनी उत्पादन क्षमता को जबरन स्थानांतरित नहीं करेगा। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की यह मांग लंबे समय से चली आ रही चिंताओं का नतीजा है। ताइवान की चीन से निकटता के कारण अमेरिका को लगता है कि चिप सप्लाई पर निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। वर्तमान में, अमेरिका अपनी चिप जरूरतों का मात्र 2 प्रतिशत ही घरेलू उत्पादन से पूरा करता है।

संक्षिप्त समाचार

अवकाश दिनों में भी बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत 07 अक्टूबर (महर्षि वाल्मीकी जयंती), 21 अक्टूबर (गोवर्धन पूजा), समस्त शनिवार (04, 11, 18 एवं 25 अक्टूबर) तथा समस्त रविवार (05, 12, 19 एवं 26 अक्टूबर)को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफिस में पीओएस) मशीन से कैश के जरिए बिल भुगतान तथा ऑनलाइन भी बिल भुगतान कर सकते हैं। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्य क्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है।

ऑनलाइन भुगतान करें और पाएं छूट: मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्न दाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्च दाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से बिजली का बिल ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को एम.पी.ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल portal.mpcz.in (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल ऐप से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

पूर्वजों को समर्पित विजयादशमी चल समारोह का हुआ आयोजन

भोपाल| नगर संवाददाता

अग्रवाल जन जागरण समाज कल्याण समिति एवं गणेश फैंस क्लब वर्ल्डबॉस हनुमत सेवा समिति के द्वारा प्रतिवर्ष बकौली चौराहे पर पूर्वजों को समर्पित विजयादशमी चल समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिस क्रम में 11 वे वर्ष में भी विजयादशमी चल समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दमोह शहर की समस्त देवी प्रतिमा एवं अखाड़े का शील्ड और मेडल के माध्यम से इस मंच पर सम्मानित किया गया वहीं प्रथम द्वितीय तृतीय क्रम में मूर्ति मंच सज्जा और साज सज्जा पर भी पुरस्कारों का वितरण यहां पर किया गया तो कई अनेक पुरस्कार वितरण यहां इस कार्यक्रम के दौरान किए गए जहां मंच पर पहुंचे पत्रकारों का सम्मान भी समिति के द्वारा किया गया तो वहीं दमोह शहर के प्रसिद्ध मूर्तिकार व मंच का निर्माण करने वाले कलाकारों का यहां पर सम्मान किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल भाजपा युवा नेता सिद्धार्थ मलैया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह नगर पुलिस अधीक्षक एच आर पांडे रहे वहीं दमोह शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति इस मंच पर रही। अपने पूर्वजों की स्मृति में कार्यक्रम में विशेष सहयोग करने वालों में रमेश कुमार संतोष कुमार शिव किराना स्टोर्स अग्रसेन स्टेशनरी मार्ट श्रद्धा मेडिकल स्टोर गणेश स्टेशनरी मार्ट अवध ट्रेडर्स ओ पी ज्वेलर्स शुभ श्री फर्नीचर गणेश लडडू भंडार श्याम ट्रेडर्स धर्मचंद मदन अग्रवाल राज कोल डिपो रवि शंकर अग्रवाल रूपा कंप्यूटर अशोक आयल मिल डब्बू मिस्त्री अग्रवाल एंपोरियम अग्रवाल दाल मिल राम लखन अग्रवाल विवेक अग्रवाल नंदू श्याम नगर परिवार रवि किराना स्टोर्स किशोर कुमार देवेंद्र कुमार बजरंग ट्रेडर्स रमेश चंद्र मनोज कुमार सुशील एजेंसी जीवनलाल अमरीश कुमार,अग्रवाल हार्डवेयर माया मेडिकोज शिक्षिका शशि गर्ग पवन मनोज मनीष शुभम शॉपिंग सेंटर गणेश लाल तातु लाल कृष्णा मेडिकल स्टोर कृष्णा हाइट विकास एजेंसी एस आर एंटरप्राइजेज रग्घू लाल प्यारेलाल राजा मैरिज हॉल लकी ट्रेडर्स परफेक्ट गिफ्ट सेंटर योगेश ट्रेडर्स ए मेडिको परिवार का मुख्य रूप से सहयोग रहा वहीं बड़ी संख्या में कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के महिला पुरुषों सहित युवाओं की उपस्थिति रही कार्यक्रम के दौरान प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रसाद वितरण मुख्य रूप से गणेश स्टेशनरी परिवार व लकी ट्रेडर्स परिवार के द्वारा किया गया जो अनवरत कई घंटे तक चलता रहा।

कमिश्नर-कलेक्टर कांफ्रेंस 7 और 8 अक्टूबर को

कॉन्फ्रेंस के दिशा निर्देश जारी

भोपाल| नगर संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 7 एवं 8 अक्टूबर 2025 को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होने वाली कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस संबंधी दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

विषय संयोजक को प्रस्तुति के लिए अधिकतम 20 मिनट मिलेंगे और प्रत्येक क्षेत्र में राज्य सरकार की प्राथमिकताएं बतायी जायेंगी। राज्य सरकार के विजन के अनुरूप केन्द्र और राज्य सरकार की क्षेत्रीय प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ 5 और कमजोर 5 जिलों की समीक्षा की जायेगी। कांन्फ्रेंस में कलेक्टरों के सुझावों पर ध्यान केन्द्रित कर आने वाली विशिष्ट समस्याएं और मुद्दे तथा जिला स्तर पर उस क्षेत्र के साथ अन्य किसी क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए नवाचार पर चर्चा की जायेगी।

मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय और योजना विभाग चुनिंदा कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और नवाचार तथा जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर सार्वजनिक संवाद (जन संवाद) वीसी के माध्यम से इच्छित परिणाम प्राप्ति पर चर्चा होगी। जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर रोजगार सृजन, लोगों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच और पहलों के बारे में जागरूकता पर चर्चा होगी। सभी 8 सेक्टरों के लिए 75 मिनट का सत्र समय रखा गया है।

कांफ्रेंस का उदघाटन सत्र 7 अक्टूबर की सुबह 10 बजे से 10ः30 बजे तक सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा परिचय, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन के संबोधन से होगा। सत्र में संयोजक कृषि उत्पादन आयुक्त, सदस्य कृषि/बागवानी/पशु चिकित्सा/सहकारी द्वारा कलेक्टर्स के बीच कृषि एवं संबद्ध विषयों पर चर्चा की जायेगी। दूसरे सत्र में प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य सदस्य सचिव डब्ल्यूपीसी, निदेशक एनएचएम कलेक्टर्स के बीच स्वास्थ्य एवं पोषण पर चर्चा केन्द्रित होगी। तीसरे सत्र में प्रमुख सचिव उद्योग, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, वित्त विभाग द्वारा कलेक्टर्स के बीच रोजगार, उद्योग और निवेश चर्चा पर रहेगा।

चौथे सत्र में संयोजक अपर मुख्य सचिव-शहरी द्वारा शहरी विषयों पर चर्चा होगी और पांचवे सत्र के दौरान संयोजक अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन, अपर मुख्य सचिव वित्त/ प्रमुख सचिव राजस्व/विधि द्वारा सुशासन पर चर्चा होगी।

कॉन्फ्रेंस में 8 अक्टूबर की गतिविधियों के अंतर्गत सुबह 9ः30 से 10.15 बजे तक मुख्य सचिव अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, आयुक्त जनसंपर्क द्वारा अपेक्षाओं के साथ विविध चर्चाएँ की जायेंगी। कॉन्फ्रेंस के छठवें सत्र में संयोजक प्रमुख सचिव-स्कूल शिक्षा, प्रमुख सचिव जनजाति कार्य चर्चा करेंगे। सातवें सत्र में प्रमुख सचिव पीएचई/प्रमुख सचिव जनजाति कलेक्टर्स के बीच रिसर्च और विकास एवं जनजातीय गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। आठवें सत्र में नियम और कानून पर चर्चा होगी।

महाप्रबंधक की अध्यक्षता में डीआरएम के साथ संरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित

भोपाल (नप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में मंगलवार 30 सितम्बर 2025 सेफ्टी रिव्यु मीटिंग सम्पन्न हुई। बैठक में सेफ्टी, क्राउड मैनेजमेंट, रेलगाड़ियों के संरक्षित एवं सुरक्षित परिचालन पर जोर देने पर बात हुई। इसके साथ ही प्रमुखता से त्यौहारों पर रेलवे स्टेशनों में यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया एवं प्लेटफार्मों और ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट और अन्य रेल सुविधाओं जैसे अनेक विषयों पर समीक्षा कर विचार-विमर्श किया गया।

महाप्रबंधक ने कहा कि संरक्षा पश्चिम मध्य रेलवे की प्राथमिकता हैं। उन्होंने ने संरक्षा एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने संरक्षा से सम्बंधित सुधारों को योजनाबद्ध तरीके से पालन करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने यार्ड के ले-आउट में सुधार से सबंधित कार्यों के सेफ्टी पर जोर देने की बात कही। मीटिंग के दौरान महाप्रबंधक ने आने वाले त्योहारों पर आगामी महीनों में दशहरा, दीपावली एवं छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर यात्रियों को जयादा से ज्यादा रेल सुविधाओं का बेहतर लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख भीड़ वाले स्टेशनों पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाया जाय एवं प्लेटफार्मों और ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट की सतत निगरानी हो, लिफ्ट/एस्क्लेटर की निरन्तर मॉनेटरिंग, सीसीटीवी कैमरे और अन्य रेल सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाये। स्टेशनों एवं ट्रेनों में सुरक्षा की दृष्टि से आरपीएफ एवं जीआरपीएफ द्वारा निरंतर 24ङ्क7 घंटे निगरानी सुरक्षा सुनिश्चित हो, साथ उनकी रेल यात्री सुविधाओं में स्टेशनों पर आवागमन हेतु प्रवेश/निकासी पर बेहतर सुविधा हेतु विशेष जोर देने की बात कही। श्रीमती बंदोपाध्याय ने विभागीय प्रमुखों और मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देश दिए कि वे आगामी त्यौहारों के अवसर पर संरक्षा एवं सुरक्षा और यात्री सुविधाओं की विस्तारीकरण को प्राथमिकता देते हुए समय से ट्रेनों का संचालन सुनिश्चित करे। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार खत्री एवं प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री प्रवीन खोराना, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री नीरज कुमार, प्रमुख मुख्य दूरसंचार एवं संकेत इंजीनियर श्री एकनाथ मोहकर, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री मनीष तिवारी, प्रमुख मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर श्री एम विजय कुमार, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस डी पाटीदार, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री मुकेश, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री मनोज कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री राजीव कुमार यादव, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. श्याम सुन्दर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री एम, एस हाशमी एवं सचिव महाप्रबंधक श्री राहुल जयपुरियार सहित मुख्यालय के अन्य विभाग के मुख्य विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

गांधी पी. आर. कॉलेज में गरबा महोत्सव सम्पन्न

भोपाल (नप्र)। गांधी पी. आर. महाविद्यालय, दानिश नगर भोपाल में नवरात्रि के पावन अवसर पर माँ भगवती की आराधना हेतु गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम दिनांक 27 सितंबर को प्रातः 11 बजे महाविद्यालय प्रांगण में आरंभ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गरबा नृत्य के दौरान छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों में माता रानी की भक्ति में भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार साहू, चेयरमैन श्री सुरेंद्र गांधी, सचिव श्रीमती सुरेखा गांधी निदेशक डॉ. तैय्यब सैफ़ी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और सभी को सुविचार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन भारतीय संस्कृति को जीवंत रखते हैं तथा विद्यार्थियों को अपनी परंपरा एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ते हैं। साथ ही कहा कि गरबा केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि यह शक्ति की उपासना और सामूहिकता का प्रतीक है, जो विद्यार्थियों को एकता और अनुशासन की शिक्षा देता है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने भी संबोधित करते हुए कहा कि नवरात्रि के दौरान शक्ति की साधना जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिकता का संचार करती है।

पुलिस मुख्यालय में तीन सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

विशेष पुलिस महानिदेशक ने सभी को स्मृति चिन्ह भेंट किए

भोपाल (नप्र)। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह सितंबर में सेवानिवृत्त तीन कर्मचारियों को विशेष पुलिस महानिदेशक श्री आदर्श कटियार ने मंगलवार को भावभीनी विदाई दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस महानिरीक्षक श्री अनिल कुमार, विशेष पुलिस महानिदेशक श्री पवन श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री आशुतोष राय एवं अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे।

पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक प्रशासन श्री नरेंद्र कुमार गंगराडे, उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्री आर.के.एस. सेंगर तथा कार्यवाहक उपनिरीक्षक (एम) श्री ईमानवेल फेरी को पुलिस मुख्यालय परिवार ने मंगलवार को भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्री इरमीन शाह ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

परिवहन विभाग डिजिटल प्लेटफार्म से नागरिकों को दे बेहतर सेवाएँ : परिवहन मंत्री

भोपाल (नप्र)। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार नागरिकों को गुड गवर्नेंस में बगैर तकलीफ के सेवाएँ देना चाहती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग में ऑनलाइन एवं फेसलेस सेवाओं का विस्तार किया गया है। अब नागरिकों को कार्यालय आए बिना 51 प्रकार की सेवाएँ दी जायेंगी। इस व्यवस्था से विभाग की कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यावसायिक दक्षता बढ़ेगी।

परिवहन मंत्री श्री सिंह मंगलवार को भोपाल के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय कोकता में फेसलेस सेवाओं के विस्तारीकरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राहवीर योजना में बालाघाट के श्री अंकित असाटी को पुरस्कृत किया। श्री असाटी ने बालाघाट में हुई सड़क दुर्घटना में तत्परता दिखाते हुए घायल राहगीर को समय पर अस्पताल पहुँचाने का श्रेष्ठ कार्य किया था। पुरस्कार स्वरूप 25 हजार रुपये की राशि उनके खाते में अंतरित की गयी। परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दो पहिया चालकों को हेलमेट भी प्रदान किये।

पासपोर्ट कार्यालय के समान परिवहन कार्यालय की होगी कार्य-प्रणालीः श्री सिंह ने कहा कि परिवहन विभाग की कार्य-प्रणाली को पासपोर्ट कार्यालय के समान बनाया जा रहा है। नागरिकों के ड्रायविंग लायसेंस एवं अन्य सुविधाएँ घर पहुँचाए जाने की सुविधा सुनिश्चित की जायेगी। परिवहन कार्यालयों में कम्प्यूटर ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। नागरिकों को अब कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उन्हें आवश्यक दस्तावेजों की कमी की जानकारी भी ऑनलाइन दिये जाने की व्यवस्था होगी। किसी वजह से नागरिक को कार्यालय आना पड़ता हैं, तो इसकी नियमित समीक्षा डेशबोर्ड पर संबंधित परिवहन अधिकारी करेंगे। सचिव परिवहन मनीष सिंह ने बताया कि सेवाओं के विस्तारीकरण से विभाग की छवि में और सुधार आयेगा। परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन सेवाओं के सुधार के लिये एआई तकनीक (ऑर्टीफिशियल एन्टेलीजेंस) का भी उपयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं में और सुधार के लिये पब्लिक फोरम पर आए सुझावों पर अमल किया जाएगा। । विभाग में सारथी एवं वाहन पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम को एनआईसी के कमलेश्वर जोशी ने भी संबोधित किया कार्यक्रम में परिवहन कार्यालयों में नागरिक सेवाओं के सुधार पर केन्द्रित फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। 20 से बढ़कर अब 51 फेसलेस सुविधाएंः केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित फेसलेस सेवाओ की सूचि में प्रदेश में प्रचलित समस्त सेवाओं को अब फेसलेस रूप से प्रदाय किया जा रहा है। विगत वर्ष तक परिवहन विभाग द्वारा लगभग 20 सेवाएं फेसलेस रूप से प्रदान की जा रहीं थी। जो अब बढ़ कर 51 हो गई हैं। ऐसा कर मध्यप्रदेश अब देश में अव्वल राज्यों में से एक है। फेसलेस सेवाओं जैसे लर्निंग लाइसेन्स जारी करना, वाहन का पंजीयन करना, ड्राइविंग लाइसेन्स का नवीनीकरण या दूसरी प्रति प्राप्त करना, वाहन का स्वामित्व अंतरण आदि विभिन्न सेवाओं को प्राप्त करने के लिए अब आवेदक को कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

नवरात्रि माँ अम्बे की भक्ति का पावन पर्व : राज्यपाल

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि नवरात्रि माँ अम्बे की भक्ति का पावन पर्व है, जो भक्ति में सराबोर होने का त्यौहार भी है। उन्होंने कहा कि गुजराती समाज अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और एकता के लिए देश-दुनिया में पहचाना जाता है। जहाँ गुजराती समाज होता है वहाँ गुजरात ही बस जाता है। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को गुजराती समाज भोपाल द्वारा आयोजित अष्टमी पूजन और गरबा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम ऑपरेशन सिंदूर और स्वदेशी अभियान की थीम पर आयोजित किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर ने देश को गौरवान्वित किया है। सेनाओं का अद्भूत शौर्य और पराक्रम प्रत्येक भारतीय का अभिमान है। उन्होंने गुजराती समाज भोपाल द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन कर भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। राज्यपाल श्री पटेल ने सभी से आहवान किया कि प्रधानमंत्री के स्वदेशी अभियान का बढ़ चढ़कर हिस्सा बनें। उनके मंत्र वोकल फॉर लोकल से अभियान को सफल बनाने में सहभागिता करें। राज्यपाल श्री पटेल का गुजराती समाज भोपाल के उपाध्यक्ष श्री चेतन भाई पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने माँ अम्बे की आरती की। कार्यक्रम में गुजराती समाज के सदस्यों द्वारा माँ आदि शक्ति की भक्तिमय धुनों पर गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर गुजराती समाज के सदस्य और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने राजकीय बाल संरक्षण गृह में बच्चों से किया संवाद

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आम के पौधे का किया रोपण

भोपाल (नप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने अपने इंदौर प्रवास के दौरान मंगलवार को राजकीय बाल संरक्षण गृह, वन स्टॉप सेंटर, बाल भवन, सखी निवास आदि स्थानों का अवलोकन किया। मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बच्चों और संबंधित अधिकारियों के साथ खुलकर संवाद किया। बातचीत के माध्यम से मंत्री सुश्री भूरिया ने मौके पर ही बच्चों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया और उन्हें विश्वास दिलाया कि सरकार की योजनाओं से उन्हें लाभांवित किया जायेगा। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री रजनीश सिन्हा, संयुक्त संचालक डॉ. विशाल नाडकर्णी, क्षेत्रीय संयुक्त संचालक श्रीमती संध्या व्यास, परियोजना अधिकारी श्री राजेन्द्र मण्डलोई, उप संचालक श्रीमती सुनीता यादव, सहायक संचालक श्री विष्णु प्रताप सिंह, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती वंचना परिहार, बाल संरक्षण आश्रम के अधीक्षक श्री दिनेश मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री सुश्री भूरिया ने अपने दौरे की शुरूआत मुराई मोहल्ला स्थित शासकीय बाल सरंक्षण गृह से की। यहाँ उन्होंने बच्चों और युवाओं से वन-टू-वन संवाद किया और उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना। राजकीय बाल संरक्षण गृह में रहकर पढ़ाई के साथ नौकरी कर रही छात्रा, फैशन डिजाइन का कोर्स, इंजीनियरिंग और मशीनिष्ट की पढ़ाई पूरी कर स्वरोजगार की तलाश में छात्र की समस्याओं का भी मंत्री सुश्री भूरिया ने निराकरण किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजकीय बाल संरक्षण गृह में रह रही सभी 38 बच्चियों एवं लड़कियों के प्रति संवेदनशीलता के साथ उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलायें। मंत्री सुश्री भूरिया ने वन स्टॉप सेंटर में आने वाली महिलाओं से भी संवाद किया और उनकी समस्याओं को जाना। वन स्टाप सेंटर प्रशासक श्रीमती वंचना परिहार को निर्देश दिए कि वे महिलाओं की समस्याओं का निराकरण करें। इस मौके पर राजकीय बाल संरक्षण गृह के अधीक्षक द्वारा इंदौर

जिले को भिक्षा मुक्त करने के बारे में जानकारी दी गई। सुश्री भूरिया ने बच्चों को उपहार बांटे और उनके साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाया।

इस मौके पर मंत्री सुश्री भूरिया ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत राजकीय बाल संरक्षण गृह में आम के पौधे का रोपण किया। साथ ही राजकीय बाल संरक्षण गृह में पढ़ने वाले बच्चों को लाने और ले जाने वाले वाहन को हरी झण्डी दिखाकर उसका लोकार्पण किया। मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने पलासिया स्थित बाल भवन परिसर का सम्पूर्ण अवलोकन किया। वहाँ उन्होंने बच्चों के लिए चलाई जा रही विभिन्न बाल गतिविधियों को नजदीकी से देखा। साथ ही बच्चों से संवाद किया। उन्होंने पलासिया स्थित सखी निवास में कामकाजी महिलाओं की समस्याओं को जाना और बातचीत के माध्यम से उनका समाधान किया।

ट्विंकल को ऋषि कपूर की नाजायज बेटी मानते थे लोग एक्ट्रेस का खुलासा सुनकर हैरान रह गई आलिया

ट्विंकल खन्ना इन दिनों अपने नए टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो के नए एपिसोड में आलिया भट्ट और वरुण धवन मेहमान के तौर पर नजर आए। इस दौरान वरुण-आलिया के साथ ट्विंकल और काजोल ने काफी मस्ती की। इसी दौरान ट्विंकल खन्ना ने ऋषि कपूर से जुड़ा खुद को लेकर एक बड़ा खुलासा भी किया। ये अब चर्चा का विषय बना हुआ है। शो पर ट्विंकल ने वर्षों पहले ऋषि कपूर द्वारा जन्मदिन पर दी गईं शुभकामनाओं को याद किया। जिसके बाद लोगों को ये लगा था कि ट्विंकल ऋषि कपूर की नाजायज बेटी हैं। ये गलतफहमी ऋषि कपूर की अजीबोगरीब शुभकामनाओं की वजह से हुई थी। ट्विंकल ने मजाकिया अंदाज में बताया, 'आलिया के ससुर की वजह से मैं लगभग कपूर बन ही गई थी। मेरे जन्मदिन पर उन्होंने बड़ी उदारता से ट्वीट किया, अरे, पता है... जब तुम अपनी मां के पेट में थीं, तब मैंने उनके लिए गाना गाया था।% इसलिए सबको लगा कि मैं उनकी नाजायज बेटी हूं।' ट्विंकल ने बताया कि ऋषि कपूर की इस मजाकिया शुभकामना की वजह से ये गलतफहमी काफी ज्यादा फैल गई थी। लोगों के बीच एक भ्रम की स्थिति भी पैदा हो गई थी। आलम ये हो गया था कि ऋषि कपूर को खुद आगे आकर अपनी टिप्पणी पर सफाई देनी पड़ी थी। बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए ट्वीट किया और समझाया-'जन्मदिन मुबारक हो। 1973 में 'बॉबी' में जब मैं तुम्हारी मां के लिए गाना गा रहा था, तब तुम उनके पेट में थीं।'

शो के दौरान जब ट्विंकल किस्सा सुना रही थीं, तो काजोल ने आलिया के अजीब हाव-भाव की ओर इशारा किया। ट्विंकल ने भी इसे नोटिस किया और हंसते हुए आलिया से कहा, 'मैं तुम्हारी ननद नहीं हूं, यह एक गलती थी।' इसके बाद वरुण धवन ने भी आलिया से मजे लेते हुए कहा कि उसे समझ नहीं आ रहा कि कैसे रिएक्ट करे।

ओटीटी पर होगी मनोरंजन की झमाझम बरसात

अक्तूबर का पहला सप्ताह और उस पर भी फेस्टिव वीक। 02 अक्तूबर को दशहरा मनाया गया। इस दिन थिएटर्स में कांतारा चैप्टर 1 और सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी जैसी फिल्में थिएटर्स में रिलीज हुई हैं। मगर, जिन्हें घर बैठे ओटीटी पर ही कुछ दिलचस्प देखना है तो ओटीटी पर भी काफी सारे विकल्प मौजूद हैं। सस्पेंस, थ्रिलर से लेकर रामोंटिक हर तरह का कंटेंट दर्शकों के लिए है। जानिए क्या-क्या है इस बार पिटारे में? साउथ की फिल्म मद्रासी 01 अक्तूबर को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। शिवकार्तिकेयन, रुक्मणि वसंत, विद्युत जामवाल और बीजू मोहन अभिनीत फिल्म थिएटर्स के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आई है। वीकएंड पर आप इस फिल्म को देख सकते हैं। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। सम लेसन आर नॉट नॉट इन क्लासरूम भी 01 अक्तूबर को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर उपलब्ध है। 13th सीरीज में गगनदेव रिअर, परेश पाहुजा, प्रदान्या मोटघरे जैसे सितारे हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा है। अगर आपको पंजाबी फिल्में पसंद हैं तो खुश हो जाइए। इस सप्ताह पंजाबी एक्शन और क्राइम थ्रिलर फिल्म डाकुआं दा मुंडा 3 भी ओटीटी पर आ चुकी है। यह फिल्म कल गुरुवार 02 अक्तूबर को दशहरा के अवसर पर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। इसे जी5 पर देख सकते हैं। साउथ एक्ट्रेस श्रद्धा श्रीनाथ की वेब सीरीज द गेम: यू नेवर प्ले अलोन को भी आप इस वीकएंड की लिस्ट में शामिल कर सकते हैं। यह क्राइम मिस्ट्री थ्रिलर वेब सीरीज गुरुवार 02 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। इसमें विविया संत और हेमा भी अहम रोल में हैं।

पहले ही दिन ही छा गई कांतारा चैप्टर 1, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को भी मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

अक्टूबर को सिनेमाघरों में जबरदस्त हलचल देखने को मिली। इस दिन दो बड़ी फिल्में रिलीज हुई, एक तरफ दक्षिण भारतीय सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म कांतारा चैप्टर 1 और दूसरी तरफ बेहतरीन कलाकारों से सजी बॉलीवुड फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी। दोनों फिल्मों का प्रचार लंबे समय से किया जा रहा था और दर्शकों के बीच इनमें खासा उत्साह भी देखा गया था। खास बात यह भी रही कि दोनों फिल्मों ने एक ही दिन सिनेमाघरों का रुख किया, जिससे इनमें बॉक्स ऑफिस पर सीधी टक्कर देखने को मिली। बात करें अगर ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की, तो यह साल 2022 में आई हिट फिल्म कांतारा का प्रीक्वल है। इस बार भी फिल्म की कहानी लोकगाथाओं, संस्कृति और अध्यात्म से गहराई से जुड़ी हुई है। ऋषभ शेट्टी इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ इसके निर्देशक भी हैं। उनके साथ फिल्म में रुक्मिणी वसंत, गुलशन देवैया, जयराम और प्रमोद शेट्टी जैसे कलाकार नजर आए। फिल्म के ट्रेलर से ही इसके प्रति दर्शकों की उत्सुकता चरम पर थी और इसका असर ओपनिंग डे पर भी साफ दिखा। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कांतारा चैप्टर 1 ने अपने पहले ही दिन 60 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की, जो 2025 की सबसे बड़ी ओपनिंग्स में से एक है। वहीं अब बात करें अगर सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की तो, यह एक टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म है, जिसमें रोमांस, इमोशन और हल्की-फुल्की कॉमेडी का तड़का लगाया गया है। फिल्म में वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का जबरदस्त प्रचार और स्टारकास्ट मजबूत होने के बावजूद फिल्म को कांतारा चैप्टर 1 जैसी ओपनिंग नहीं मिल सकी।

दशहरा पर शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग, इम्तियाज अली होंगे निर्देशक

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली कर रहे हैं। उनके साथ शरवरी वाघ की अगली फिल्म ने पहले ही फैंस के बीच धूम मचा दी है। वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग दशहरे के शुभ अवसर पर शुरू हुई है। इस मौके पर अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है।

शरवरी वाघ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा सरस्वती पूजा के वक्त घर पर नहीं रह सकी। इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं! एक बहुत ही खास निर्देशक और टीम के साथ एक बहुत ही खास फिल्म की शूटिंग शुरू। पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट और फूलों की तस्वीर भी शेयर की।

जन्मदिन पर हुआ फिल्म का एलान

आपको बता दें कि जून में शरवरी के जन्मदिन पर, इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस पल को याद करते हुए उन्होंने उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इसे अब तक का सबसे अछा जन्मदिन बताया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनका लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने की इछा रखती थी।

शरवरी वाघ ने साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म बंटी और बबली 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसमें रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी ने भी अभिनय किया था। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं। इसमें शरवरी वाघ के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी। शरवरी वाघ जल्द ही आलिया भट्ट और बॉबी देओल के साथ फिल्म अल्फा में दिखाई देंगी।

बॉबी देओल ने किया रावण दहन, एक्टर के हाथ में धनुष-बाण देख उत्साहित हुए फैंस

आज दशहरा के दिन दिल्ली की मशहूर लव कुश रामलीला में एक यादगार पल देखने को मिला। यहां बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल ने प्रतीकात्मक रूप से भगवान राम की भूमिका निभाई और रावण का वध करने के लिए बाण चलाया। इससे असत्य पर सत्य की विजय का शाश्वत संदेश गया। इस भव्य दृश्य को लाल किला मैदान में जमा हजारों दर्शकों ने देखा। अभिनेता निखिल द्विवेदी भी मंच पर आए और बॉबी देओल का साथ दिया।

राम का आशीर्वाद लेने का फैसला किया- लव कुश रामलीला समिति के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा बॉबी देओल आध्यात्मिक प्रवृत्ति के हैं। अपने फिल्मी करियर के 30 साल पूरे होने पर, उन्होंने भगवान राम का आशीर्वाद लेने का फैसला किया और समिति के निमंत्रण पर, इस ऐतिहासिक समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली आए।

कई सितारे ले चुके हिस्सा- अर्जुन कुमार ने आगे कहा कई प्रमुख फिल्मी सितारे पहले भी लव कुश रामलीला का हिस्सा रह चुके हैं, जिनमें अजय देवगन, करीना कपूर, रोहित शेट्टी, अक्षय कुमार, दक्षिण के सुपरस्टार प्रभास, जॉन अब्राहम आदि शामिल हैं। सभी ने अपनी भागीदारी के जरिए भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त की है।

कौन हैं रुक्मिणी वसंत, फिल्म कांतारा चैप्टर 1 से चर्चा में आई 28 साल की एक्ट्रेस

ऋषभ शेट्टी की अदाकारी वाली फिल्म कांतारा चैप्टर 1 आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज होते ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी ने शानदार अभिनय किया और दर्शकों को इसकी कहानी भी पसंद आ रही है। इस बीच फिल्म की लीड एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत चर्चा में हैं। फिल्म में वह कमाल की लगी हैं। आइए उनके बारे में जानते हैं। कांतारा चैप्टर 1की अदाकारा रुक्मिणी वसंत एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ एक डांसर भी हैं। उन्हें भरतनाट्यम आता है। 10 दिसंबर 1996 को जन्मीं रुक्मिणी वसंत ने लंदन में के रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट से डिग्री हासिल की है। उनके पिता आर्मी अफसर थे जो देश के लिए शहीद हो गए। रुक्मिणी वसंत ने साल 2019 में कन्नड़ भाषा की फिल्म बीरबल से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह बघीरा और मद्रासी जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं। उन्होंने कन्नड़, हिंदी, तमिल और तेलुगु फिल्मों में अभिनय किया है। जल्द ही वह अंग्रेजी-कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक में अभिनय करने वाली हैं। वह जल्द ही तेलुगु फिल्म ड्रैगन का भी हिस्सा होंगी।

रुक्मिणी वसंत साल 2023 में तब सुर्खियों में आईं जब उन्होंने रोमांटिक ड्रामा फिल्म सप्त सागरदाते एलो में काम किया। इस फिल्म में बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड दिया गया। रुक्मिणी ने हिंदी फिल्म अपस्टार्ट्स में अभिनय किया है। जहां उन्हें साउथ में अछी पहचान मिली है, वहीं वह हिंदी में अभी उभरते हुए सितारे के रूप में जानी जाती हैं। आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत की अदाकारी वाली फिल्म कांतारा चैप्टर 1 ने आज पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। ऋषभ शेट्टी ने इस फिल्म में अभिनय करने के अलावा इसे लिखा है और इसका निर्देशन किया है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी, रुक्मणि वसंत के अलावा गुलशन देवैया और जयराम जैसे सितारे भी हैं।

ओलिंपियन दीपक पूनिया ने सगाई की

पिता के प्रॉपर्टी डीलर दोस्त की बेटी से हुआ रिश्ता

बहादुरगढ़ (एजेंसी) हरियाणा में झज्जर के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान और ओलिंपियन दीपक पूनिया जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। बहादुरगढ़ में उनकी शिवानी के साथ रिंग सेरेमनी हुई। शिवानी निलौठी गांव की रहने वाली हैं। फिलहाल वह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रही हैं। उनका सपना आईएएस अफसर बनने का है। शिवानी और दीपक के पिता अच्छे दोस्त हैं। दोनों परिवारों ने दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए दोनों बच्चों का रिश्ता तय किया है। रविवार को हुए रिंग सेरेमनी प्रोग्राम में सिर्फ दोनों परिवार और करीबी ही शामिल हुए। दीपक के पिता का कहना है कि जल्द ही दोनों परिवारों की सहमति से शादी की तारीख तय की जाएगी।

रोहतक के जाट कॉलेज से एमए की

शिवानी के पिता अनूप प्रॉपर्टी डीलिंग के साथ खेती करते हैं। अनूप ने बताया कि मेरे 2 बच्चे हैं। शिवानी बड़ी बेटी है। छोटा बेटा 9वीं क्लास में पढ़ता है। मेरी पत्नी हाउस वाइफ हैं। शिवानी ने रोहतक के जाट कॉलेज से इंग्लिश में ब्रू की है। इसके अलावा वह बीएड भी कर चुकी है।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में नेपाल को 10-विकेट से हराया

शारजाह (एजेंसी)। शारजाह में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में वेस्टइंडीज ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। इस जीत के साथ कैरिबियाई टीम ने नेपाल को क्लीन स्वीप करने से रोक दिया। नेपाल शुरुआती दो मुकाबले जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुका था। यह पहला मौका है जब वेस्टइंडीज ने किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 10 विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले वह चार बार 9 विकेट से जीत चुका है। वहीं, नेपाल को पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम 19.5 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने बिना विकेट खोए 12.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

पावर प्ले में नेपाल ने एक विकेट पर 37 रन बनाए- नेपाल की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले में नेपाल ने 1 विकेट खोकर 37 रन बनाए। कुशल भुर्टेल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। वेस्टइंडीज की ओर से रेमन सिमंड्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

चाइना ओपन में जैनिक सिनर का दबदबा कायम, दूसरी बार किया चाइना ओपन पर कब्जा

बीजिंग (एजेंसी)। इटली के जैनिक सिनर ने बुधवार को पुरुष एकल फाइनल में अमेरिकी युवा खिलाड़ी लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। दुनिया के नंबर-2 और शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने सिर्फ 34 मिनट में पहला सेट जीत लिया और फिर दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। 19 वर्षीय टिएन, जो अपने पहले एटीपी फाइनल में उतरे थे, शुरुआती चार गेम तक टक्कर देते रहे लेकिन सिनर ने पांचवें और सातवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर मैच पर कब्जा कर लिया। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 1 घंटे 12 मिनट में सीधी सेटों में जीत हासिल की। यह सिनर का लगातार तीसरा बीजिंग फाइनल था। 2023 में उन्होंने कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव को हराकर खिताब जीता था, जबकि पिछले साल वह उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर, टिएन ने लोरेंजो मुसेट्टी और मेदवेदेव जैसे खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और उभरते सितारे के रूप में अपनी पहचान बनाई।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास

एशिया कप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में एक नया सितारा उभरकर सामने आया है। अभिषेक शर्मा, भारत के बाएँ हाथ के सलामी बल्लेबाज, ने बुधवार को टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग (931 अंक) हासिल कर इतिहास रच दिया। इस रिकॉर्ड ने पिछले पांच साल से कायम इंग्लैंड के डेविड मलान के 919 अंकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन - एशिया कप 2025 में अभिषेक का प्रदर्शन यादगार रहा। श्रीलंका के खिलाफ अहम मैच में उन्होंने अर्धशतक बनाकर भारत को जीत दिलाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 314 रन बनाए और औसत 44.85 रही। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी मिला। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली की पिछली सर्वोच्च रेटिंग को भी अभिषेक ने पीछे छोड़ दिया। इस समय वह इंग्लैंड के फिल साल्ट से 82 अंक आगे हैं और बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। टीम साथी तिलक वर्मा ने भी 213 रन बनाए, लेकिन शीर्ष स्थान पर अभिषेक की पकड़ शानदार रही।

युवा लेकिन अनुभवी अंदाज - हालांकि अभिषेक ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन उनका क्रिकेट बुद्धिमानी और साहस पहले ही मैचों में दिख गया। उनकी बैटिंग शैली में संयम, आक्रामकता और मैच के दबाव को संभालने की क्षमता साफ़ झलकती है।

टी20 क्रिकेट में भारतीय भविष्य - अभिषेक शर्मा का यह रिकॉर्ड यह साबित करता है कि भारत की नई पीढ़ी के बल्लेबाज विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। उनका प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए न केवल शानदार शुरुआत है, बल्कि टी20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड

- 14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाले बल्लेबाज, गेंदबाजी में वरुण नंबर-1

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। अभिषेक टी-20 रैंकिंग के 14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स लाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के डेविड मलान के पांच साल से जारी रिकॉर्ड को तोड़ा है। आईसीसी ने टी-20 रैंकिंग की शुरुआत 2011 में की थी। एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के 931 रेटिंग पॉइंट्स हो गए थे। यह टी-20 क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज के रेटिंग पॉइंट्स का अब तक का सबसे बड़ा नंबर है। पिछला रिकॉर्ड मलान के नाम था। मलान ने 2020 में 919 पॉइंट्स हासिल किए थे। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में अभिषेक 6 रन ही बना पाए थे। लिहाजा उनके पांच पॉइंट्स कम हुए। बुधवार को जारी रैंकिंग में वे 926 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर, टॉप-10 में तीन भारतीय- इस समय टॉप-10 टी-20 बल्लेबाजों में तीन भारतीय शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में नाबाद 69 रन बनाने वाले तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर हैं। उनके 819 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव (698 पॉइंट्स) आठवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे और जोस बटलर चौथे स्थान पर हैं। एशिया कप में भारत के खिलाफ सेंचुरी जमाने वाले श्रीलंका के पथुम निशांका पांचवें नंबर पर हैं।

बॉलिंग में नंबर-1 वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय

टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती 803 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय गेंदबाज हैं। कुलदीप यादव 12वें और अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह 29वें नंबर पर हैं। बुमराह से ऊपर रवि बिश्नोई 16वें और अर्शदीप सिंह 23वें स्थान पर हैं।

हार्दिक को पीछे छोड़ सईम बने नंबर-1 ऑलराउंडर- पाकिस्तान के सईम अयूब भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ टी-20 क्रिकेट में नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं। सईम के 241 रेटिंग पॉइंट्स हैं। हार्दिक के 233 पॉइंट्स हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह चौथे नंबर पर हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा पांचवें स्थान पर हैं।

टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1- टी-20 टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1 पर मौजूद है। टीम इंडिया के 272 पॉइंट्स हैं। ऑस्ट्रेलिया (266 पॉइंट्स) दूसरे और इंग्लैंड (257 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान सातवें नंबर पर है। उसके 233 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड चौथे, साउथ अफ्रीका पांचवें और वेस्टइंडीज छठे नंबर पर है।

मिचेल मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी

पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। कप्तान मिचेल मार्श (85) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ट्रैविस हेड (18 गेंदों में 31 रन) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट 12वें ओवर की पहली गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट (18 गेंदों में 29 रन) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में मैट हेनरी ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचेल मार्श को टिम रॉबिंसन के हाथों कैच आउट करा दिया। मिचेल मार्श ने 43 गेंदों में पांच छक्के और नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी सात रन बनाकर आउट हुये। उन्हें जैकरी फॉक्स ने आउट किया।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गई। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत

चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की।

वैभव सूर्यवंशी का धमाकेदार प्रदर्शन जारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया चौथा सबसे तेज शतक

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरीं। 14 साल की उम्र में ही वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहे हैं। इयान हीली ओवल में खेले जा रहे यूथ टेस्ट में सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सिर्फ 78 गेंदों पर शतक ठोकते हुए इतिहास का चौथा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक जड़ दिया।

वनडे में भी बरपाया तूफान - सिर्फ टेस्ट ही नहीं, सूर्यवंशी ने हाल ही में वनडे में भी तहलका मचाया है। पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 68 गेंदों पर 70 रन बनाते हुए यूथ वनडे क्रिकेट में सबसे ज़्यादा करियर छक्कों का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने पूर्व भारतीय अंडर-19 कप्तान उन्मुक्त चंद का 38 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा और मात्र 10 पारियों में 41 छक्कों तक पहुंच गए।

- **सबसे तेज यूथ वनडे शतक का भी रिकॉर्ड** - इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ चौथे यूथ वनडे में सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए। उस पारी में उन्होंने केवल 52 गेंदों पर शतक जड़ा, जिससे वह अंडर-19 वनडे में सबसे तेज़ शतकवीर और सबसे कम उम्र के शतकवीर बन गए।
- **आईपीएल में भी दिखा चुके हैं जलवा** - वैभव सूर्यवंशी सिर्फ अंडर-19 स्तर तक ही सीमित नहीं हैं। 14 साल और 23 दिन की उम्र में उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया और सबको चौंका दिया।
- **ब्रेंडन मैकुलम के बाद अनोखा कारनामा** - वैभव सूर्यवंशी अब इतिहास के केवल दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने अंडर-19 टेस्ट क्रिकेट में 100 से कम गेंदों पर दो शतक लगाए हैं। उनसे पहले यह कारनामा न्यूज़ीलैंड के दिग्गज ब्रेंडन मैकुलम ने किया था। सूर्यवंशी ने पिछले साल चेन्नई में भी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में शतक लगाया था, जो मोईन अली के बाद दूसरा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक माना जाता है।
- **धमाकेदार पारी, ताबड़तोड़ स्ट्रोक्स** - बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बुधवार को 86 गेंदों में आठ छक्के और नौ चौकों की मदद से 113 रन बनाए। हालांकि, हेडन शिलर ने उन्हें आउट कर दिया, लेकिन तब तक वह मैच के नायक बन चुके थे। भारतीय पारी में वेदांत त्रिवेदी ने भी गजब का योगदान दिया। उन्होंने 192 गेंदों पर 140 रन बनाकर पारी को मजबूती दी।

तमीम इकबाल ने बीसीबी चुनावों से वापस लिया नामांकन

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने छह अक्टूबर को होने वाले बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनाव से अपनी बुधवार को उम्मीदवारी वापस ले ली है। बाए हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने आज औपचारिक रूप से अपना नामांकन पत्र वापस लेने के लिए बीसीबी मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप जानते हैं कि आज हमने अपना नामांकन वापस ले लिया है। मुझे मिलाकर हममें से लगभग 14-15 लोगों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इस वापसी का कारण सभी को पता है मुझे नहीं लगता कि आपको कोई विवरण या स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता है। तमीम ने शुरुआत में बीसीबी चुनाव में निदेशक पद के लिए चुनाव लड़ने में रुचि दिखाई थी, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना मन बदल लिया। नामांकन दाखिल करने के बाद, उन्होंने खुले तौर पर इस प्रक्रिया में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैं शुरू से ही एक बात कहता रहा हूं और अब आप सभी इस बारे में स्पष्ट हैं... यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है या इसे कैसे संचालित किया जा रहा है। जो भी किसी भी समय सही लगता है, जो भी वे करना चाहते हैं, किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जिलाबदर की हत्या में फरार आरोपियों के घर लगे ताले

लोनी। बेहटा हाजीपुर गांव में जिलाबदर विशाल की ईंट से पीट कर हत्या के मामले में आरोपियों के घरों में ताले लग गए है। परिवार के सभी लोग फरार हो गए। पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही है। आरोपियों के फोन बंद आने पर पुलिस को लोकेशन तलाश करने में परेशानी हो रही है। पुलिस ने जल्द गिरफ्तार का दावा किया है। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मृतक विशाल के भाई सचिन कुमार निवासी आंबेडकर कॉलोनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका भाई गुंडा एक्ट में जिलाबदर चल रहा है। वह अपने दोस्त दिपांशु के साथ शाम करीब साढ़े चार बजे पांडेय की चक्की के पास आया था। वहां मौजूद तुषार, अमन, साहिल, जीत उर्फ संजीत और भीमा साथियों के साथ खड़े थे। उन्होंने विशाल के साथ लाठी डंडों, लात घूसों और ईंट से पीटकर मार डाला। घटना के बाद से आरोपी फरार है। एसीपी ने बताया कि सचिन की शिकायत पर लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने तुषार, अमन, साहिल, जीत उर्फ संजीत और भीमा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की हैं। सभी आरोपी फरार चल रहे है। पुलिस की टीमें उन्हें तलाश कर रही है। बता दें कि विशाल को पुलिस ने 10 सितंबर 2025 को जिलाबदर किया था। थाना पुलिस ने इसे जिले की सीमाओं से बाहर रहने की हिदायत देकर हापुड़ की सीमा पर छोड़ दिया था। बुधवार को वह लोनी में था। अमन पक्ष की विशाल से पुराने मामले को लेकर रंजिश चल रही है। रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया हैं।

फ्लैट बेचकर लोगों से ठगी करने करने वाले दो गिरफ्तार

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन पुलिस ने क्षेत्र में फ्लैट का सौदा कर सात लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी रामप्रस्थ निवासी शुभम जैन और लाजपत नगर निवासी अनुराग सूरी हैं। दोनों के खिलाफ मई माह में राजेंद्र नगर सेक्टर तीन निवासी दानिश ने मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश भी कर रही है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि करीब छह माह पूर्व दानिश ने शुभम जैन, रामा कृष्ण विहार निवासी रचित जैन, लाजपतनगर निवासी अनुराग सूरी व एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन और धमकी देने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि उनके परिचित अनुराग ने उन्हें सस्ता फ्लैट दिलाने के बहाने शुभम व रचित से मिलाया था। दिसंबर 2023 में शालीमार गार्डन एक्सटेंशन एक में तीनों ने ए437 नंबर भूखंड पर बना एक फ्लैट दानिश को दिखाया। छोटा फ्लैट होने की वजह से आरोपियों ने पड़ोस वाला फ्लैट दिलाने का भी वादा किया। दोनों फ्लैट का सौदा 23 लाख रुपये में तय हुआ लेकिन लोन केवल एक ही फ्लैट पर पास हुआ। 10.60 लाख रुपये लोन मिलने के बाद सात लाख रुपये दानिश ने आरोपियों को नकद दिए। अप्रैल 2024 में आरोपियों ने एक ही फ्लैट का बैनामा किया। दूसरे फ्लैट का बाद में बैनामा कराने का आश्वासन दिया। बैनामा होने के बाद जब वह फ्लैट पर पहुंचे तब वहां एक महिला पहले से रह रही थी। छानबीन में पता चला कि जिस भूखंड संख्या के आधार पर बैनामा हुआ है असल में वह है ही नहीं। इसके अलावा फ्लैट के बिजली बिल और संपत्ति कर के दस्तावेजों में भी फजीर्वाड़ा किया गया था। जब उन्होंने आरोपियों से रुपये वापस मांगे तब आरोपियों ने धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी। एसीपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रचित जैन और अनुराग सूरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है, जल्द ही बाकी आरोपियों को भी हिरासत में लेकर मामले का खुलासा किया जाएगा।

बढ़ते स्क्रीन टाइम से किशोरों का स्वास्थ्य संकट में, कोर्स में फिजियोथेरेपी जोड़ने का आग्रह

दिल्ली : आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि न करने के कारण किशोरों में मांसपेशी और हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। पारंपरिक आदतें जैसे उकड़ू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं।

इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है।

अध्ययन के आधार पर विशेषज्ञों ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजियोथेरेपी को शामिल करने की सलाह दी है, ताकि किशोरों के स्वास्थ्य को सुधारा जा सके और चोटों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। एम्स ने अक्तूबर 2023 से दिल्ली के दो निजी स्कूलों के 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 380 छात्रों पर नजर रखी गई। इस दौरान उनकी दिनचर्या, बैठने की आदतों और स्वास्थ्य पर गहन विश्लेषण किया गया।

अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश किशोरों में पोस्चर संबंधी समस्याएं जैसे आगे की ओर झुकना, गर्दन और कंधों में दर्द, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, इलियोटिबियल बैंड की जकड़न, सपाट पैर और हैमस्ट्रिंग की कठोरता जैसी शिकायतें आम हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक गतिविधियां जैसे स्ट्रेचिंग से पहले खेलना या फर्श पर बैठना शरीर के लचीलापन को बनाए रखती हैं, लेकिन आजकल की जीवनशैली इनसे दूर कर रही है।

बढ़ रहा है डेंगू का बुखार, मरीजों की संख्या पहुंची 164

गाजियाबाद। शहर में डेंगू बुखार बढ़ रहा है। बृहस्पतिवार को तीन नए मरीज मिलने के साथ ही जिले में डेंगू मरीजों की कुल संख्या 164 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिदिन चार से सात मरीजों की पुष्टि हो रही है।

फिजीशियन डॉ. आलोक रंजन का कहना है कि डेंगू से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है कि लोग अपने घर और आस पास पानी जमा न होने दें। उन्होंने बताया कि डेंगू के लक्षणों में तेज बुखार, शरीर में दर्द, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द और कमजोरी शामिल हैं। समय रहते इलाज न मिलने पर डेंगू खतरनाक साबित हो सकता है।

लगातार हो रहा है फॉगिंग और छिड़काव

जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा ने बताया कि नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा लगातार फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है। साथ ही जिन घरों में लार्वा पाए जा रहे हैं, वहां चालान भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू नियंत्रण को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। स्कूलों, कॉलोनियों और बाजारों में टीमों द्वारा पंपलेट्स बांटे जा रहे हैं और लोगों को बताया जा रहा है कि कैसे डेंगू से बचा जा सकता है।

सप्ताह में कूलर और जमा पानी की करें सफाई

जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि इस समय जो मौसम बना है, वह डेंगू का लार्वा पनपने के लिए अनुकूल है। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम अपना काम कर रहे हैं, लेकिन लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सप्ताह में कम से कम एक बार कूलर, पानी की टंकियों और अन्य जल स्रोतों की सफाई जरूर करें।

दिल्ली सरकार को मिलेगा 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त पर्यावरण शुल्क, प्रदूषण से भी मिलेगी कुछ राहत

दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग को पर्यावरण शुल्क के नाम पर प्रतिवर्ष करीब 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। अभी तक प्रतिवर्ष करीब 120 करोड़ रुपये राजस्व मिलता है। इसके अलावा इस आदेश से एमसीडी को भी बड़ी राहत मिलेगी। उसे अब सामान लेकर आने वाले व्यवसायिक वाहनों की जांच नहीं करनी पड़ेगी और ऐसे वाहन चालकों के साथ होने वाली कहासुनी या विवाद की स्थिति भी खत्म होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2015 से लागू उस छूट को समाप्त कर दिया जिसके तहत आवश्यक वस्तुएं ढोने वाले व्यावसायिक वाहन पर्यावरण शुल्क से मुक्त थे। अब सब्जी, फल, दूध, अनाज, अंडे, पोल्ट्री उत्पाद, बर्फ और नमक ले जाने वाले वाहन भी शुल्क के दायरे में आएंगे। यहां तक कि खाली या आंशिक रूप से भरे ट्रक भी शुल्क देने से नहीं बचेंगे।

दरअसल, एमसीडी ने सुप्रीम कोर्ट में यह दलील दी थी कि छूट प्राप्त वाहनों की जांच करना उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। बाहर से देखकर यह पहचानना असंभव है कि ट्रक में क्या सामान है। ऐसे में हर वाहन की जांच करनी पड़ती है जिससे चेक-पोस्ट पर लंबी कतारें लग जाती हैं। इस प्रक्रिया में समय की बबार्दी के साथ ट्रकों से लगातार निकलने वाला धुआं प्रदूषण को और बढ़ा देता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी की इस दलील को उचित मानते हुए छूट समाप्त कर दी।

प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को बल मिलेगा

नए आदेश से न केवल प्रशासनिक व्यवस्था आसान होगी बल्कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को भी बल मिलेगा। पहले चेक-पोस्ट पर जांच की वजह से घंटों खड़े रहने वाले ट्रकों से अतिरिक्त धुआं निकलता था जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता था। अब सभी वाहन सीधे शुल्क देंगे जिससे जांच की जरूरत नहीं होगी और यातायात भी सुचारु रहेगा।

वहीं, दिल्ली सरकार को हर साल 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। इस राशि को सरकार दिल्ली को प्रदूषण से राहत दिलाने के उपाय करने में खर्च कर सकेगी। इसके अलावा एमसीडी को छूट प्राप्त वाहनों की जांच से मुक्ति मिलेगी जिससे विवाद और झगड़े की नौबत नहीं आएगी।

ट्रकों को चेक-पोस्ट पर लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसका सीधा असर दिल्ली की हवा और यातायात व्यवस्था पर दिखेगा। लिहाजा, यातायात जाम से मुक्ति मिलेगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी।

तेज बारिश से पहले गले... फिर बड़ी मुश्किल से जले दशानन, भव्य रामलीला की ओर से आज होगा दहन

पूर्वी दिल्ली : पूर्वी दिल्ली की रामलीला में उस वक्त मायूसी छा गई, जब बारिश ने रावण दहन में खलल डाल दी और उत्सव का मजा किरकिरा कर दिया। लोग रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों को जलते हुए देखने के लिए इकट्ठा हुए थे और इंतजार कर रहे थे। इससे पहले कि उनके पुतलों को जलाया जाता वह बारिश में भीग कर गल गए। ऐसे में पुतलों कों बड़ी मुश्किल से जलाया गया। पूर्वी दिल्ली स्थित सीबीडी ग्राउंड में भव्य रामलीला सोसाइटी की ओर से बृहस्पतिवार को रावण दहन नहीं किया गया। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए आयोजकों ने शुक्रवार की शाम रावण दहन करने का निर्णय लिया है। आयोजकों ने इस बार दहन के लिए 80 फुट का रावण, 75 फुट का कुंभकरण और 70 फुट का मेघनाद का पुतला तैयार किया है। शास्त्री पार्क स्थित विष्णु अवतार रामलीला, सीबीडी ग्राउंड स्थित बालाजी रामलीलाल, प्रीत विहार स्थित बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुतले गीले होने की वजह से देरी से दहन किया गया। रावण दहन करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

80-70 फुट के जलाए गए रावण : पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड स्थित बालाजी रामलीला में 80 फुट का रावण, 75 फुट का कुंभकर्ण, और 70 फुट का मेघनाद का पुतला दहन किया गया। वहीं, शास्त्री पार्क स्थित डीडीए मैदान में विष्णु अवतार रामलीला कमेटी की ओर से 70 फुट का रावण, 65 फुट का कुंभकर्ण और 60 फुट का मेघनाद का पुतला जलाया गया।

इको फ्रेंडली रावण किया गया दहन: पूर्वी दिल्ली के रामलीला में इस बार आयोजकों ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इको फ्रेंडली रावण तैयार करवाए थे, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। इसके लिए उन्होंने रावण दहन में ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल किया और पटाखों की आवाज की जगह साउंड इफेक्ट का उपयोग किया।

विजयनगर में आठ दिन से पानी को तरस रही 48 हजार की आबादी

गाजियाबाद। वार्ड संख्या एक विजयनगर बागू के करीब 48 हजार लोग आठ दिनों से पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। इलाके में पेयजल की सप्लाई नहीं होने से यहां के लोग बाहर से पानी खरीदने के लिए विवश हैं। लोगों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी पेयजल की आपूर्ति के लिए निगम की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं जिम्मेदार अधिकारी पिछले आठ दिनों से पाइप लाइन में लीकेज कहां से हो रहा है यही पता नहीं लगा पाए हैं। क्षेत्र के रहने वाले अरुण समाजसेवी ने बताया कि पिछले बुधवार को जलकल विभाग की ओर से पेयजल की सप्लाई हुई थी। इसके बाद करीब आठ दिन गुजर गए हैं। पेयजल की सप्लाई नहीं हो रही है। निगम के अधिकारियों से पूछने पर वह भी ठीक से न तो जवाब दे रहे हैं और न ही कोई कार्रवाई कर रहे हैं। पेयजल की आपूर्ति नहीं होने से इलाके के करीब 48 हजार की आबादी दुकानों से बोतल बंद पानी खरीदकर पी रही है। नहाने व अन्य घरेलू कार्यों के लिए भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की रहने वाली मालती देवी ने बताया कि पेयजल की आपूर्ति नहीं होने से पीने के साथ ही कपड़ा धोने, बर्तन धोने, नहाने समेत अन्य कार्यों में भी काफी समस्या हो रही है। उमस भरी गर्मी के बीच काफी दिक्कत हो रही है।

लापरवाही ने रेलवे ट्रैक को बना दिया खूनी, दिल्ली में रोज जा रही है चार की जान; आठ माह में 947 की मौत

नई दिल्ली : दिल्ली में रोजाना रेल हादसों में चार लोगों की जान जा रही है। इसकी बड़ी वजह लोगों का रेलवे ट्रैक पर लापरवाही से आवागमन करना है। रेलवे के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा हादसे दिल्ली-शाहदरा और दिल्ली-रोहतक रूट पर दर्ज किए गए हैं। इस साल जनवरी से अगस्त तक 947 लोगों की जान जा चुकी है जबकि 211 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। रेलवे ने इन हादसों को लेकर जुमार्ना समेत तमाम तरह के प्रयास भी किए हैं लेकिन दुर्घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। रेलवे के आंकड़े बताते हैं कि पिछले छह साल (2020 से अगस्त 2025 तक) में 7,517 लोग रेल हादसों में जान गंवा चुके हैं। रेलवे सुरक्षा बल समय-समय पर अवैध रूप से ट्रैक पार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी करता है लेकिन रेलयात्रियों के साथ ही रेलवे लाइन के पास बस्ती में रहने वाले बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रेनों की आवाजाही के बीच ट्रैक पार करते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं।

नोएडा-ग्रेनो में 20 दिनों तक नहीं होगी गंगाजल की आपूर्ति, रैनीवेल और ट्यूबवेल से की जाएगी पानी की सप्लाई

ग्रेटर नोएडा : गंगाजल की मुख्य लाइन के रखरखाव की वजह से करीब 20 दिनों तक नोएडा-ग्रेटर नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति ठप रहेगी। इस वजह से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के अधिकांश इलाकों में दीपावली तक पानी की किल्लत बनी रह सकती है। इस किल्लत को दूर करने के लिए नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने रैनीवेल और ट्यूबवेल से आपूर्ति की कमी को पूरा करने का फैसला लिया है। ग्रेटर नोएडा को जैतपुर भूमिगत जलाशय से बफर स्टॉक से कुछ दिन पानी की आपूर्ति की जाएगी।

नोएडा-ग्रेनो के अधिकारियों का कहना है कि हर साल इन दिनों में गंगाजल के प्राथमिक स्रोत

देहरा, गंगनहर और द्वितीयक स्रोत पालडा, बुलंदशहर पर रखरखाव का काम शुरू होता है। इस दौरान बारिश के बाद जमे सिल्ट को साफ किया जाता है। यह काम इस बार 2 अक्तूबर से 20 अक्तूबर तक होगा।

हालांकि यह प्रयास किया जाएगा कि लोगों को पानी की किल्लत नहीं हो। नोएडा में 200 एमएलडी तो ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में करीब 100 एमएलडी पानी की जरूरत अभी होती है। गंगाजल की आपूर्ति बंद होने से इन दिनों करीब 10 लाख की आबादी प्रभावित होने की आशंका रहती है।

वरिष्ठ प्रबंधक जल राजेश गौतम ने बताया कि गंगाजल की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को कोई दिक्कत नहीं होगी। हमारी ट्यूबवेल की क्षमता वर्तमान की मांग से काफी अधिक है। गंगाजल नहीं मिलने से जो कमी पानी की आएगी उसे ट्यूबवेल से पूरा कर लिया जाएगा। जैतपुर में बने भूमिगत जलाशय में करीब 40 एमएलडी बफर स्टॉक है।

इससे भी करीब सात दिन तक अतिरिक्त जरूरत को पूरा कर किल्लत को न्यूनतम किया जा सकता है। जहां भी पानी की किल्लत की शिकायत मिलेगी। वहां टैंकर से पानी भेज दिया जाएगा। वहीं नोएडा प्राधिकरण के जीएम आरपी सिंह ने बताया कि गंगाजल की आपूर्ति 4 अक्तूबर से बाधित हो सकती है। हालांकि रैनीवेल, ट्यूबवेल और भूमिगत जलाशयों से पानी की आपूर्ति जारी रहेगी। जरूरत पड़ने पर पानी के टैंकर भी भेजे जाएंगे।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान में एक लाख से अधिक लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हुए स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का समापन दो अक्तूबर को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर हुआ। इस दौरान जिले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाए गए कैंपों में एक लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें महिलाओं की भागीदारी अधिक रही। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अभियान के तहत कुल 1,07,583 लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 39,148 पुरुष और 68,435 महिलाएं शामिल रहीं। इस अवधि में 645 स्क्रीनिंग कैंप और 56 विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। जांच में 8,133 लोग उच्च रक्तचाप से ग्रसित मिले, 7,744 लोगों की मधुमेह की पुष्टि हुई, 7,412 लोगों की मुख कैंसर की जांच की गई, 4,521 महिलाओं की स्तन कैंसर और 4,521 की गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग हुई। इसके साथ ही 23,722 लोगों में एनीमिया के लक्षण मिले, जबकि 1,974 की टीबी स्क्रीनिंग की गई। इसके अलावा 9,561 गर्भवती महिलाओं को एएनसी सेवाएं दी गईं। वहीं बच्चों को 15,248 टीके लगाए गए।

जालसाजों ने छह लोगों से ठग लिए 10.10 लाख रुपये

फरीदाबाद। साइबर ठगों ने जिले के अलग-अलग इलाके में रहने वाले छह लोगों से 10.10 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने शादी का झांसा देकर पार्सल भेजने के नाम पर, फर्जी लिंक भेजकर, कस्टमर केयर अधिकारी बनकर, घरेलू गैस कनेक्शन काटने के मैसेज भेजने समेत अन्य बहाने से ये ठगी की। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना एनआईटी, सेंट्रल व बल्लभगढ़ की टीमों ने बुधवार को सभी मामलों में छह एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। पहले मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस को शिकायत एनआईटी इलाके की रहने वाली महिला ने दी है। महिला का कहना है कि 3 से 5 मार्च 2025 के दौरान साइबर ठगों ने शादी का झांसा देकर पार्सल भेजने के नाम पर 2.45 लाख रुपये ठग लिए। बाद में कोई पार्सल भी नहीं मिला। महिला की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। दूसरे मामले में पुलिस को शिकायत सेक्टर-55 निवासी आयुष ने दी है। इनका कहना है कि 4 दिसंबर 2024 को साइबर ठगों ने फर्जी लिंक भेजकर 1 लाख रुपये ठग लिए। खाते से रुपये कटे तो ठगी का पता चला। मामले में शिकायत पर साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस ने

एफआईआर दर्ज की है।

तीसरे मामले में साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को शिकायत सेक्टर-83 के रहने वाले विनय कुमार ने दी है। इनका कहना है कि 4 सितंबर 2025 को ठगों ने घरेलू गैस कनेक्शन काटने का मैसेज भेजा। फिर एपीके फाइल डाउनलोड कराकर बैंक खाते से 1.90 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

चौथे मामले में पुलिस को शिकायत सेक्टर-30 के रहने वाले जगदीश कुमार ने दी है। इनका कहना है कि 2 से 7 सितंबर के दौरान ठगों ने व्हाट्सएप पर मैसेज भेजे।

छह हजार का पेनाल्टी शुल्क लगाकर युवक से मारपीट, हाथ तोड़ा

साहिबाबाद। टीलामोड़ थानाक्षेत्र के गगन विहार कॉलोनी निवासी विष्णु ने हर्ष विहार निवासी मनीष उर्फ लाला पंडित के खिलाफ मारपीट कर हाथ तोड़ने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि उधार लिए नौ हजार रुपये के बदले 12 हजार चुकाने के बाद भी आरोपी ने उन पर छह हजार रुपये का दंड शुल्क डाल दिया। मना करने पर मारपीट की और हाथ तोड़ दिया। विवाद 12 सितंबर का है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पीड़ित ने एक अक्तूबर को मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज मुकदमे में विष्णु वे बताया कि उन्होंने मनीष उर्फ लाला से कुछ माह पहले ब्याज पर नौ हजार रुपये उधार लिए थे। अभी तक वह ब्याज समेत 12 हजार रुपये वापस कर चुके हैं। आरोप है कि लाला पंडित ने उन पर जबरन छह हजार रुपये का दंड शुल्क लगा दिया।

निजी कंपनी के कर्मी की कार से कुचलकर मासूम की मौत, हंगामा

इंदिरापुरम। थानाक्षेत्र के शक्तिखंड चार निवासी कांग्रेस यादव के बेटे युवराज (6) को कार ने रौंद दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसा दो अक्तूबर की दोपहर को हुआ। कांग्रेस यादव का कहना है कि घटना के वक्त युवराज सड़क के किनारे खड़ा होकर भंडारे का प्रसाद खा रहा था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि हादसे के वक्त बच्चा घर के पास स्थित चर्च के बाहर खेल रहा था। मौके पर कार चालक को लोगों ने घेर लिया।

परिवार वालों ने पुलिस पर चालक को मौके से भगाने का आरोप लगाते हुए थाने में जमकर हंगामा किया। पुलिस आरोपी कार चालक साहिबाबाद निवासी नितिन दीक्षित को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है । शव का पोस्टमार्टम भी कराया गया।

कांग्रेस यादव मूलरूप से बिहार के बेगूसराय स्थित अख्तियारपुर टोला बलिया के रहने वाले हैं। शक्तिखंड चार में वह परिवार के साथ झुग्गी-झोपड़ी में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को उनका बेटा युवराज क्षेत्र में ही आयोजित भंडारे में प्रसाद खाने गया था। सड़क किनारे खड़ा होकर प्रसाद खा रहा था तभी पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में युवराज कार

के नीचे आ गया और पहिये से कुचल गया। स्थानीय लोगों ने गाड़ी को रोककर चालक को घेर लिया। आरोप था कि मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने गाड़ी चालक को मौके से भगा दिया। इसके बाद परिवार वाले इंदिरापुरम थाने पहुंचे और जमकर हंगामा किया।

एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि हादसे के वक्त बच्चा चर्च के बाहर खेल रहा था। कार चालक को भगाने का आरोप निराधार है। आरोपी कार चालक नितिन दीक्षित जो एक आईटी कंपनी में कार्यरत है, उसे हिरासत में ले लिया गया है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

शिविर में की गई टीबी और एचआईवी की जांच

फरीदाबाद। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हरजिंदर सिंह के मार्गदर्शन में एक व्यापक टीबी एवं एचआईवी जागरूकता और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ। इस पहल का उद्देश्य टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को सुदृढ़ करना, रोग की शीघ्र पहचान को बढ़ावा देना और प्रभावित मरीजों को आवश्यक देखभाल व पोषण सहायता प्रदान करना था। शिविर में टीबी और एचआईवी जांच, मौके पर थूक संग्रहण, एनएएटी परीक्षण, छाती का एक्स-रे, और विशेषीकृत टीबी देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही निक्षय मित्र योजना के अंतर्गत मरीजों को गोद लेने और उन्हें पोषण आहार किट वितरित करने की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में कुल 19 निक्षय मित्रों ने पंजीकरण कराया...

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साई प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 सिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)